अक्टूबर, 2024

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु

In the journey towards achieving a distinguished career, choosing the right guide is as crucial as the aspirant's dedication and hard work. Drishti, with its pioneering CUET (UG) program, stands as a beacon of excellence for young aspirants.

Admissions Open in English & Hindi Medium for CUET (UG) Foundation and Crash Courses

CUET (UG) Foundation & Crash Courses in English Medium

- CUET (UG) General Aptitude Test
- CUET (UG) English Language
- CUET (UG) History Domain
- CUET (UG) Political Science Domain
- CUET (UG) Geography Domain
- CUET (UG) Psychology Domain
- CUET (UG) Economics Domain
- CUET (UG) Mathematics Domain
- CUET (UG) Business Studies Domain
- CUET (UG) Accountancy Domain
- CUET (UG) Chemistry Domain
- CUET (UG) Physics Domain
- CUET (UG) Biology Domain
- CUET (UG) Combo (General Aptitude Test + English Language)

CUET (UG) फाउंडेशन और क्रेश कोर्सेस हिंदी माध्यम में

- CUET (UG) जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट
- CUET (UG) हिंदी भाषा
- CUET (UG) इतिहास डोमेन
- CUET (UG) राजनीति विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) भूगोल डोमेन
- CUET (UG) अर्थशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) समाजशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) भौतिक विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) रसायन विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) जीव विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) Combo (जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट + हिंदी भाषा)

Key Features of Drishti CUET (UG) Courses

- Best Faculties
- Live Classes
- Topic-wise Practice Worksheets
- Up-to-date Study Materials As Per Latest Syllabus
- Post Class Assistance & Doubt Solving Sessions
- Daily News Updates and Monthly Current Affairs Compilation

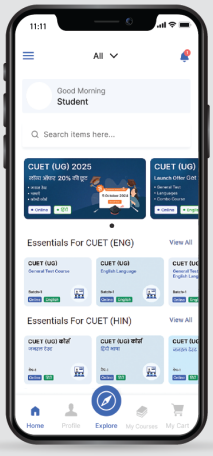

Drishti Learning App

Get that 'Online Edge' in your preparation for CUET (UG), all from the convenience of your home.

Website | YouTube | PYQ's as Quizzes | Scan me for English Courses | Scan me for Hindi Courses

For more information please contact on **87501-87501**

विवरणिका

1. संवैधानिक/प्रशासनिक घटनाक्रम

- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) 1
- भारत निर्वाचन आयोग 1
- भारत के मुख्य न्यायाधीश 1
- सुप्रीम कोर्ट ने महिला न्यायाधीश की नई प्रतिमा का अनावरण किया 2
- उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली 3

2. भूगोल

- हीराकुंड बांध 5
- चक्रवात दाना से ओडिशा तट पर खतरा 6
- तूफान मिल्टन 8
- ग्रीनवाशिंग 8
- वैश्विक प्रवाल विरंजन घटना ने रिकॉर्ड तोड़े 9

3. भारतीय अर्थव्यवस्था

- मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 10
- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) 10
- डिजिटल इंडिया: भूमि अभिलेखों का एक नया युग 11
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 12

4. सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- अभ्यास काज़िन्द-2024 13
- सिंगापुर भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (SIMBEX) 2024 13
- भारत ने भारत-जेन परियोजना शुरू की है 13
- जर्मन नौसेना के साथ समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स) 14
- भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी ने समुद्री अभ्यास 'नसीम अल बहर' का आयोजन किया 14
- काला-अजार 15
- ऐतिहासिक पीएसएलवी-सी37 मिशन का ऊपरी चरण पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश कर गया 15
- मस्तिष्क क्षय रोग के उपचार में सुधार के लिए अद्वितीय दवा वितरण विधि 16
- भारतीय प्रादेशिक सेना (आईटीए) के 75 वर्ष 16
- रवांडा में मारबर्ग वायरस का प्रकोप 17

विवरणिका

5. इतिहास

- लाल बहादुर शास्त्री की 120वीं जयंती 18
- सत्य शोधक समाज 19
- महात्मा गांधी की जयंती 19
- राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर 20

6. विश्व मामले

- वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) 2024 21
- यूनाइटेड किंगडम (यूके)-मॉरीशस संधि: चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता को संबोधित करना 21
- भारत-चीन संबंध 22
- करतारपुर कॉरिडोर 22
- वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक, 2024 23
- ब्रिक्स 24
- दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) शिखर सम्मेलन 2024 25
- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) 26

7. विविध

- बीसीसीआई द्वारा बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया गया 28
- अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) में भारत का जलवा 28
- कैबिनेट ने पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृष्णोन्नति योजना को मंजूरी दी 30
- पीएम यशस्वी 31
- केंद्र ने पांच वर्षीय क्रूज़ भारत मिशन शुरू किया 31
- पीएम-श्री योजना 32
- मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना 32
- राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025 33
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) 33
- ई-श्रम वन-स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल लॉन्च किया गया 33
- पीएम गति शक्ति: भारत के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में बदलाव 34

1 भारतीय राज्यवयवस्था

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर)

एनसीपीसीआर के बारे में

- यह एक वैधानिक निकाय है।
- बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 के तहत मार्च 2007 में स्थापित।
- यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **अधिदेश**
  - यह सुनिश्चित करना कि कानून, नीतियां, कार्यक्रम और प्रशासनिक तंत्र बाल अधिकारों के अनुरूप हों:
    - भारत का संविधान.
    - बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन।
- कार्य
  - शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अंतर्गत बच्चों के नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से संबंधित शिकायतों की जांच।
  - यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 के कार्यान्वयन की निगरानी करता है।

एनसीपीसीआर: लोगो

भारत निर्वाचन आयोग

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बारे में

- भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है।
- 25 जनवरी 1950 को भारत के संविधान के तहत स्थापित इस तिथि को अब राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- भारत निर्वाचन आयोग लोक सभा, राज्य सभा, राज्य विधान सभाओं तथा राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिए चुनावों की देखरेख करता है।
- संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार पंचायतों और नगर पालिकाओं के चुनावों का प्रबंधन राज्य चुनाव आयोग द्वारा अलग-अलग किया जाता है।

ईसीआई से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- भारतीय संविधान का भाग XV (अनुच्छेद 324-329) चुनावों और चुनाव आयोग की स्थापना से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 324:** भारत निर्वाचन आयोग को भारत में चुनावों का पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण करने की शक्ति प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 325:** धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बहिष्कार पर रोक लगाता है।
- **अनुच्छेद 326:** यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव वयस्क मताधिकार (वयस्कों के लिए सार्वभौमिक मताधिकार) पर आधारित हों।
- **अनुच्छेद 327:** संसद को विधानमंडलों के चुनावों को विनियमित करने की शक्ति प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 328:** राज्य विधानमंडलों को राज्य स्तरीय चुनावों के लिए प्रावधान करने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 329:** न्यायालयों को चुनावी मामलों में हस्तक्षेप करने से रोकता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश

चर्चा में क्यों ?

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जो 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं , ने 51 वें सीजेआई के रूप में नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की सिफारिश की है।

मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया क्या है ?

- निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश अपने उत्तराधिकारी की सिफारिश करते हैं।
  - भारत के राष्ट्रपति मुख्य न्यायाधीश और अन्य सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं।

- व्यवहार में, 1970 के दशक के अधिक्रमण विवाद के बाद से यह सख्ती से वरिष्ठता के आधार पर होता रहा है।

कॉलेजियम प्रणाली के बारे में

यह न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण की प्रणाली सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के माध्यम से विकसित हुई है, न कि संसद के अधिनियम या संविधान के प्रावधान द्वारा।

कॉलेजियम प्रणाली का विकास

- **प्रथम न्यायाधीश मामला (1981):** न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका को प्राथमिकता दी गई।
- **द्वितीय न्यायाधीश मामला (1993):** कॉलेजियम प्रणाली की शुरुआत की गई, जिससे न्यायपालिका को नियुक्तियों में बड़ी भूमिका मिली।
- **तृतीय न्यायाधीश मामला (1998):** कॉलेजियम का विस्तार कर इसे पांच सदस्यीय निकाय बना दिया गया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और चार वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल थे।

कॉलेजियम प्रणाली का प्रमुख कौन है?

- सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) करते हैं और इसमें न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं।
- उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति केवल कॉलेजियम प्रणाली के माध्यम से की जाती है और कॉलेजियम द्वारा नाम तय किए जाने के बाद ही सरकार की भूमिका होती है।

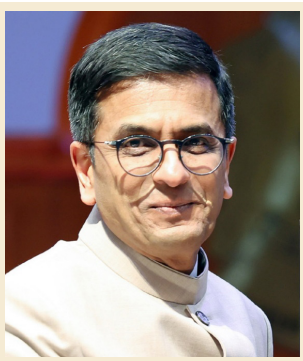

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना

सुप्रीम कोर्ट ने महिला न्यायाधीश की नई प्रतिमा का अनावरण किया

चर्चा में क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने नई लेडी जस्टिस की प्रतिमा का अनावरण किया है। इस प्रतिमा में आंखों से पट्टी हटाकर तलवार की जगह संविधान रखा गया है। यह प्रतिमा इस विचार को दर्शाती है कि भारतीय कानून न तो अंधा है और न ही दंडात्मक।

पुरानी मूर्ति के बारे में

- परंपरागत रूप से, न्याय की देवी को आंखों पर पट्टी बांधे हुए दिखाया जाता है, जो निष्पक्षता का प्रतीक है और इस विचार का प्रतीक है कि न्याय बिना किसी पक्षपात के किया जाना चाहिए, चाहे इसमें शामिल व्यक्तियों की स्थिति या शक्ति कुछ भी हो।
- पुराने चित्रण में तलवार शामिल थी, जो अधिकार और गलत कामों को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक थी। यह तत्व अक्सर न्याय के प्रति दंडात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता था, जो प्रवर्तन और नियंत्रण पर जोर देता था।
- औपनिवेशिक प्रभाव: पुरानी प्रतिमा का वस्त्र औपनिवेशिक युग की न्यायिक प्रतीकात्मकता की विरासत को दर्शाता है।

नई प्रतिमा के बारे में

- **आंखों पर से पट्टी हटाई गई:** यह सामाजिक वास्तविकताओं के प्रति जागरूकता का प्रतिनिधित्व करता है और न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।
- **संविधान तलवार का स्थान लेता है:** यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मानव अधिकारों पर जोर देता है, तथा दंड से हटकर संरक्षण और सशक्तिकरण की ओर अग्रसर होता है।
- **साड़ी पहने आकृति:** भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है और समकालीन भारतीय समाज के साथ प्रतिध्वनित होती है।
- **सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक:** यह औपनिवेशिक विरासत से हटकर अधिक समावेशी न्याय प्रणाली की ओर बदलाव को दर्शाता है।

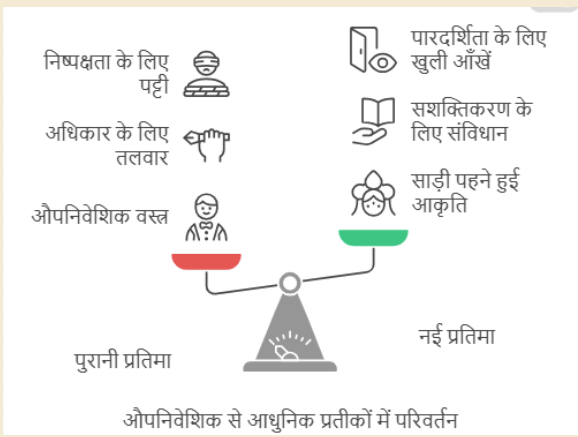

औपनिवेशिक से आधुनिक प्रतीकों में परिवर्तन

दो मूर्तियों के बीच समानता

- **न्याय का तराजू:** नई प्रतिमा में इसे बरकरार रखा गया है, जो न्यायिक प्रक्रिया में संतुलन, निष्पक्षता और समानता का प्रतीक है।
- **निष्पक्षता का सिद्धांत:** दोनों पक्षों के साक्ष्य और तर्कों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है।

ओल्ड लेडी जस्टिस प्रतिमा *न्यू लेडी जस्टिस प्रतिमा*

एक्ट ईस्ट नीति

- इसे नवंबर 2014 में "लुक ईस्ट पॉलिसी" के उन्नयन के रूप में घोषित किया गया था।
- यह विभिन्न स्तरों पर विशाल एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने की एक कूटनीतिक पहल है।
- इसमें द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर कनेक्टिविटी, व्यापार, संस्कृति, रक्षा और लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ गहन और निरंतर जुड़ाव शामिल है।
- उद्देश्य: सक्रिय और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ भारत-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना और रणनीतिक संबंध विकसित करना और इस प्रकार उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के आर्थिक विकास में सुधार करना, जो दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र का प्रवेश द्वार है।
- यह आसियान देशों + आर्थिक एकीकरण + पूर्वी एशियाई देशों + सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 4C पर प्रकाश डाला -
- संस्कृति
- व्यापार
- कनेक्टिविटी
- क्षमता निर्माण
- **क्षेत्रीय स्थिरता:** भारत शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (QUAD) और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) जैसे हिंद-प्रशांत ढांचे में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।
- **प्रभाव को संतुलित करना:** दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के देशों के साथ सहयोग को मजबूत करने से भारत को इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।
- प्रमुख पहल
- भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग
- इंडो-पैसिफिक महासागर पहल (आईपीओआई)
- कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट
- अगरतला-अखौरा रेल लिंक
- भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम
- आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)
- त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना पूर्वोत्तर को म्यांमार और थाईलैंड से जोड़ती है।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

चर्चा में क्यों ?

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत अपने विशेष दर्जे को रद्द करने के बाद क्षेत्र में पहली सरकार का गठन है।

उमर अब्दुल्ला के बारे में

- **जन्म :** 10 मार्च 1970
- **राजनीतिक पृष्ठभूमि:** जम्मू और कश्मीर से भारतीय राजनीतिज्ञ।
- **मुख्यमंत्री के रूप में पूर्व कार्यकाल:** 2009 से 2015
- **राजनीतिक कैरियर:** 1998 में लोक सभा के लिए निर्वाचित; विदेश राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।
- **हालिया चुनाव :** 2024 के लोकसभा चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार एर राशिद से पराजित।
- **वकालत:** 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली का समर्थन करता है।

मुख्यमंत्री के बारे में

- **नियुक्ति**
  - उसकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।
  - विधानसभा चुनावों में बहुमत प्राप्त करने वाली पार्टी के नेता की नियुक्ति की जाती है।
  - जबकि राज्यपाल नाममात्र का कार्यकारी प्राधिकारी है, वास्तविक कार्यकारी प्राधिकारी मुख्यमंत्री के पास है।
  - राज्य विधानमंडल के गैर-सदस्य को छह महीने के लिए मुख्यमंत्री नियुक्त किया जा सकता है, लेकिन उसे उस समयावधि के भीतर निर्वाचित होना होगा।
- **मुख्यमंत्री का कार्यकाल**
  - मुख्यमंत्री का कार्यकाल निश्चित नहीं होता है और वह राज्यपाल की इच्छा पर्यन्त पद पर बने रहते हैं।
  - जब तक उसे विधान सभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है, तब तक राज्यपाल द्वारा उसे बर्खास्त नहीं किया जा सकता।
  - राज्य विधान सभा भी उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित करके उन्हें हटा सकती है।

उमर अब्दुल्ला: केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री

2 भूगोल

हीराकुंड बांध

चर्चा में क्यों ?

ओडिशा सरकार ने हीराकुंड बांध से जुड़ी छह दशक पुरानी नहर प्रणाली के जीर्णोद्धार के लिए 855 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिससे संबलपुर, सुबरनपुर, बरगढ़ और बलांगीर जिलों के किसानों को मदद मिलेगी। 2027-28 तक पूरी होने वाली इस परियोजना में मिट्टी की नहरों की जगह कंक्रीट के रास्ते बनाए जाएंगे, जिससे जल वितरण और दक्षता बढ़ेगी। इस जीर्णोद्धार का उद्देश्य पानी की बर्बादी को कम करना और कृषि के लिए डूबी हुई फसल भूमि को पुन: प्राप्त करना है।

हीराकुंड बांध

- यह ओडिशा में संबलपुर के पास महानदी नदी पर स्थित है।
- 1957 में पूरी हुई यह परियोजना स्वतंत्रता के बाद भारत की पहली प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं में से एक थी।
- यह भारत के सबसे लंबे बांधों में से एक है और दुनिया के सबसे लंबे मिट्टी के बांधों में से एक है।
- यह बांध एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील बनाता है जिसे हीराकुंड झील के नाम से जाना जाता है।
- यह मिट्टी, कंक्रीट और चिनाई से बना है।
- विद्युत उत्पादन: 359.8 मेगावाट (MW) (ओडिशा हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार)
- यह कटक और पुरी जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रदान करता है।

महानदी नदी के बारे में

- यह भारत की प्रमुख नदियों में से एक है जो मध्य और पूर्वी भारत से होकर बहती है।
- महानदी बेसिन छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और झारखंड में फैला हुआ है।
- **उद्गम स्थल:** नगरी-सिहावा, धमतरी, दंडकारण्य, छत्तीसगढ़
- **मुहाना:** जगतसिंहपुर डेल्टा, बंगाल की खाड़ी, ओडिशा
- **सहायक नदियों**
  - **बाएँ:** सियोनाथ, मांड, इब, हसदेव, केलो
  - **दाएं:** ओंग, पैरी, जोंक, टेलन

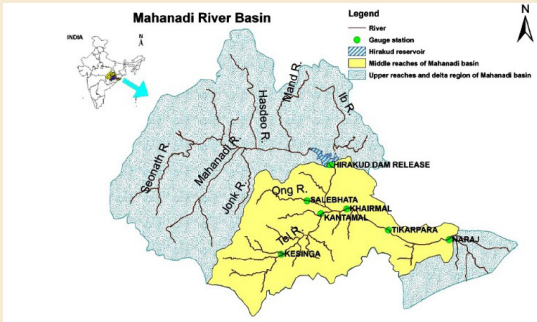

महानदी नदी बेसिन

अमेज़न वर्षावन

यह विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन है।

- इसे अक्सर "पृथ्वी के फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- **भौगोलिक विस्तार:** लगभग 5.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ।
- **देश:** मुख्य रूप से ब्राजील में स्थित है, लेकिन पेरू, कोलंबिया, वेनेजुएला, इक्वाडोर, बोलीविया, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना में भी फैला हुआ है।
- यह विश्व की लगभग पांचवीं स्थलीय प्रजातियों का निवास स्थान है, तथा सभी वन्यजीव प्रजातियों का 10% भी यहीं पाया जाता है।
- **वनस्पति:** अनुमानत: 390 अरब वृक्षों का घर, जिनमें लगभग 16,000 प्रजातियां सम्मिलित हैं।
- पशुवर्ग
  - **स्तनधारी:** जगुआर, स्लोथ, टैपिर और नदी डॉल्फ़िन।
  - **पक्षी** : टूकेन और हार्पी ईगल सहित 1,300 से अधिक प्रजातियाँ।
  - **सरीसृप** : एनाकोंडा, कैमन और कई छिपकली प्रजातियाँ।
  - **उभयचर** : मेंढकों की 400 से अधिक प्रजातियाँ।
  - **कीट** : लाखों कीट प्रजातियाँ, जिनमें हजारों तितली प्रजातियाँ शामिल हैं।
- यह लगभग 350 स्वदेशी समूहों का घर है, जिनमें से प्रत्येक की अपनी अनूठी संस्कृति, भाषा और परंपराएं हैं।

- **प्रमुख जनजातियाँ** : यानोमामी, तुपिनम्बा, कायापो, ज़िंगु, अशानिंका, गुआरानी, हुइतोटो, टिकुना, किचवा (क्विचुआ) और पानो।
- ऐसा अनुमान है कि पिछले 50 वर्षों में अमेज़न का 17% से अधिक भाग नष्ट हो गया है।
- यह प्रतिदिन 20 अरब टन पानी वायुमंडल में छोड़ता है।
- **कार्बन सिंक** : इस वन में 150-200 बिलियन टन कार्बन संग्रहित है।
- **चंदवा**
- यह पारिस्थितिकी तंत्र की एक महत्वपूर्ण परत है, जो एक अद्वितीय आवास के रूप में कार्य करती है, जो विविध प्रकार के वन्य जीवन को सहारा देती है तथा वर्षावनों के समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
  - यह वर्षावन की सबसे ऊपरी परत है, जो उभरती हुई परत (जहां सबसे ऊंचे पेड़ उगते हैं) और अधोस्तर परत (जो छायादार होती है और जिसमें छोटे पेड़ और पौधे होते हैं) के बीच स्थित होती है।
  - **वनस्पति:** ऊंचे, चौड़ी पत्तियों वाले वृक्ष, सूर्य के प्रकाश के लिए चढ़ने वाले काष्ठीय लताएं तथा अन्य पौधों से नमी और पोषक तत्वों को अवशोषित करने वाले आर्किड और ब्रोमेलियाड जैसे एपीफाइट्स।
  - **जीव-जंतु:** इसमें टूकेन, तोते और हार्पी ईगल जैसे पक्षी; हाउलर बंदर, स्लोथ और वृक्ष मेंढक जैसे स्तनधारी; तथा तितलियाँ और चींटियों सहित विविध प्रकार के कीट शामिल हैं।

अमेज़न वर्षावन

चक्रवात दाना से ओडिशा तट पर खतरा

चर्चा में क्यों ?

ओडिशा तट पर एक भयंकर चक्रवात दाना आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने तेज़ हवाओं और भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कई जिले बुरी तरह प्रभावित होंगे और एहतियाती उपाय जैसे निकासी और सेवाओं को रद्द करना लागू किया गया है।

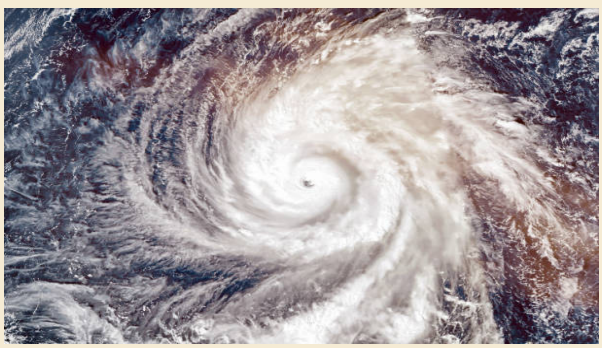

चक्रवात का प्रतीकात्मक फोटो

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के बारे में

- **गठन और विशेषताएं**
  - ये तीव्र तूफान हैं जो गर्म समुद्री जल के ऊपर बनते हैं।
  - इन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे चक्रवात, हरिकेन, टाइफून और विली-विली।
- **गठन के लिए आवश्यक शर्तों में शामिल हैं**
  - गर्म महासागर का तापमान,
  - कोरिओलिस बल
  - न्यूनतम ऊर्ध्वाधर पवन विविधताएं
  - पहले से मौजूद कम दबाव
  - ऊपरी विचलन.
- तूफान की ऊर्जा क्यूम्यलोनिम्बस बादलों के भीतर संघनन से आती है।
- भूस्खलन तब होता है जब चक्रवात तट को पार कर जाता है, जिससे नमी की आपूर्ति बंद हो जाती है और अपव्यय होता है।
- 20° उत्तरी अक्षांश को पार करने के बाद जो चक्रवात पुन: आते हैं, वे अधिक विनाशकारी होते हैं।
- **एक परिपक्व उष्णकटिबंधीय चक्रवात की संरचना**
  - **आँख:** तूफ़ान के केंद्र में एक शांत क्षेत्र।
  - **नेत्र दीवार:** नेत्र के चारों ओर विशाल बादलों की एक अंगूठी, जिसमें सबसे तेज़ हवाएं और भारी वर्षा होती है।
  - **वर्षा बैंड:** तूफान के बाहरी क्षेत्र, जहां बिखरे बादल और वर्षा होती है।

- **उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का प्रभाव**
  - तेज़ हवाएँ इमारतों, पेड़ों और बिजली लाइनों को व्यापक क्षति पहुँचा सकती हैं।
  - भारी वर्षा से बाढ़, भूस्खलन और कटाव हो सकता है।
  - तूफानी लहरें (समुद्र का बढ़ता स्तर) तटीय क्षेत्रों को जलमग्न कर सकती हैं, जिससे संपत्ति और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हो सकता है।
  - इनके कारण चोट लगने, डूबने और विस्थापन के कारण मानव जीवन की भारी हानि हो सकती है।
- **शमन और प्रतिक्रिया**
  - **पूर्व चेतावनी प्रणालियाँ:** प्रभावित आबादी को समय पर चेतावनी प्रदान करने के लिए उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की निगरानी और पूर्वानुमान।
  - **निकासी योजनाएं:** भूस्खलन से पहले संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को निकालने के लिए तैयारी के उपाय।
  - **बुनियादी ढांचे में सुधार:** भवन संहिता और निर्माण पद्धतियां जो तेज हवाओं और बाढ़ का सामना कर सकें।
  - **आपदा प्रतिक्रिया दल:** प्रभावित क्षेत्रों में राहत और सहायता प्रदान करने के लिए संगठित प्रयास

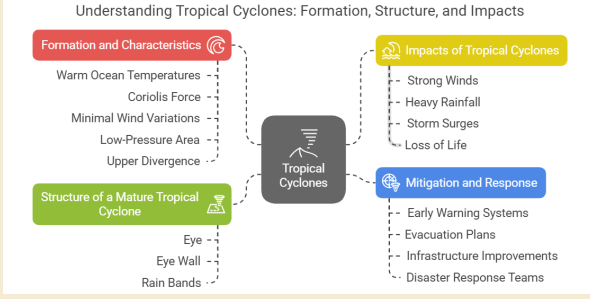

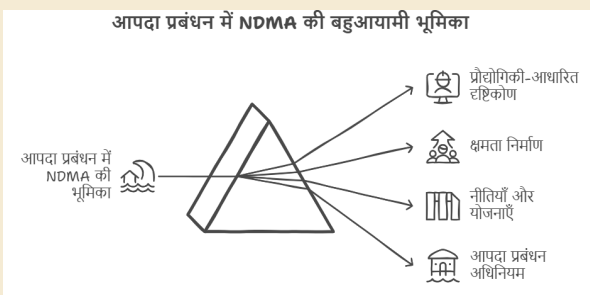

Role of NDMA in Disaster Management

फूलों की खेती

- यह एक उभरता हुआ उद्योग है और इसे 100% निर्यातोन्मुख दर्जा प्राप्त है।
- यह बागवानी की एक शाखा है जो बगीचों, पुष्प सज्जा, भूनिर्माण और अन्य सजावटी उद्देश्यों के लिए फूलदार और सजावटी पौधों की खेती, प्रबंधन और उत्पादन पर केंद्रित है।
- इसमें मुख्य रूप से कटे हुए फूल, गमले में उगाए जाने वाले पौधे, कटे हुए पत्ते, बीज, कंद, जड़युक्त कटिंग और सूखे फूल या पत्तियां शामिल होती हैं।
- कृषि मंत्रालय के अंतर्गत कृषि एवं सहकारिता विभाग पुष्पकृषि क्षेत्र के विकास के लिए जिम्मेदार नोडल संगठन है।
- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) निर्यात संवर्धन और विकास के लिए जिम्मेदार है।
- 2023-24 में भारत का कुल पुष्प उत्पादन निर्यात 717.83 करोड़ रुपये का होगा।
- भारत में 300 से अधिक निर्यातोन्मुख इकाइयाँ हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, बांग्लादेश, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और थाईलैंड भारत के फलों और सब्जियों के बीजों के प्रमुख बाजार थे।
- मुख्य फूल उत्पादक राज्य आंध्र प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल हैं।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)

- इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी।
- **मुख्यालय** : नई दिल्ली
- **अध्यक्ष** : अभिषेक देव
- यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक सरकारी एजेंसी है

एपीडा APEDA

एपीडा का लोगो

- **उद्देश्य:** अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को विकसित एवं बढ़ावा देना।
- यह भारत से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
- यह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अच्छे कृषि पद्धतियों (जीएपी), अच्छे स्वच्छता पद्धतियों (जीएचपी) और अन्य टिकाऊ पद्धतियों को बढ़ावा देता है।
- यह बासमती चावल जैसे उत्पादों के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण का भी काम संभालता है, जिससे अद्वितीय क्षेत्रीय उत्पादों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

तूफान मिल्टन

चर्चा में क्यों ?

2024 के अटलांटिक मौसम में आने वाला शक्तिशाली तूफ़ान मिल्टन, फ्लोरिडा के सिएस्टा की के पास लैंडफॉल करने से पहले मैक्सिको की खाड़ी में श्रेणी 5 की तीव्रता तक पहुँच गया था, लेकिन श्रेणी 3 तक कमज़ोर हो गया। 180 मील प्रति घंटे की अधिकतम हवाओं और 897 मिलीबार के न्यूनतम दबाव के साथ, यह दर्ज किए गए सबसे तीव्र अटलांटिक तूफ़ानों में से एक बन गया। इस तूफ़ान ने पूरे फ्लोरिडा में भारी तबाही मचाई, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और व्यापक बाढ़ और हवा से होने वाले नुकसान के कारण अनुमानित 50 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हुआ।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात कैसे तूफान में बदल जाता है ?

- एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात गर्म समुद्री पानी, नमी और कम वायु-प्रतिक्षेप द्वारा संचालित प्रक्रिया के माध्यम से तूफान में बदल जाता है।
- जैसे-जैसे उष्णकटिबंधीय विक्षोभ मजबूत होता है, यह उष्णकटिबंधीय अवदाब बन जाता है और फिर हवा की गति बढ़ने पर उष्णकटिबंधीय तूफान बन जाता है।
- जब लगातार चलने वाली हवा की गति 74 मील प्रति घंटा (119 किमी/घंटा) तक पहुंच जाती है, तो उसे तूफान की श्रेणी में रखा जाता है।

तूफान

- यह एक शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात है जो गर्म समुद्री जल के ऊपर, आमतौर पर अटलांटिक महासागर या पूर्वी प्रशांत महासागर में बनता है।
- इसकी विशेषता तेज हवाएं, भारी वर्षा और तूफान हैं, तथा इसके केंद्र में एक सुपरिभाषित आंख है।
- **संरचना** : एक तूफान में एक सुपरिभाषित नेत्र होता है, जो नेत्र भित्ति से घिरा होता है, जहां हवाएं सबसे तेज होती हैं, तथा वर्षा की पट्टियां बाहर की ओर फैलती हैं।
- **श्रेणियाँ** : निरंतर वायु गति के आधार पर सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर श्रेणी 1 (सबसे कम गंभीर) से श्रेणी 5 (सबसे गंभीर) तक मापा जाता है।
- जीवन **चक्र** : जब तूफान भूमि या ठंडे पानी के ऊपर से गुजरता है तो वह कमजोर हो जाता है, और अंततः अपने ऊर्जा स्रोत को खोने के कारण समाप्त हो जाता है।
- **विभिन्न क्षेत्रों में नाम**
  - **टाइफून:** चीन सागर और प्रशांत महासागर
  - **बवंडर** : पश्चिमी अफ्रीका और दक्षिणी अमेरिका के गिनी क्षेत्र
  - **विली-विलीज़** : उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया
  - **उष्णकटिबंधीय चक्रवात:** हिंद महासागर
  - **तूफान** : कैरेबियन सागर और अटलांटिक महासागर में पश्चिम भारतीय द्वीप

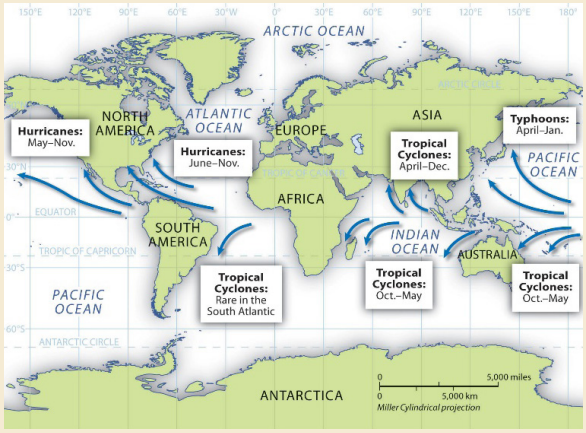

विभिन्न क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय चक्रवात

ग्रीनवाशिंग

चर्चा में क्यों ?

सरकार ने ग्रीनवाशिंग और भ्रामक पर्यावरणीय दावों को रोकने और विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंपनियां "प्राकृतिक" या "जैविक" जैसे दावों को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रमाणित करें।

ग्रीनवाशिंग क्या है ?

- यह शब्द व्हाइटवॉशिंग से लिया गया है, जिसका तात्पर्य एक विपणन रणनीति से है, जिसमें कंपनियां अपने उत्पादों या सेवाओं के पर्यावरणीय लाभों का भ्रामक रूप से दावा करती हैं या बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं।
- ऐसा अक्सर अस्पष्ट या असमर्थित शब्दों जैसे प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल या हरित का प्रयोग करके किया जाता है।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के बारे में

- **स्थापना:** 20 जुलाई, 2020, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत
- **मंत्रालय** : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।
- **मुख्य आयुक्त:** निधि खरे।
- **इसने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए)** में परिचालन शुरू किया तथा उपभोक्ता संरक्षण गतिविधियों के लिए अपना आधार स्थापित किया।
- **यह उपभोक्ता अध्ययन केन्द्र और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन** के सहायक कर्मचारियों का उपयोग करता है , दोनों को **2007 से विभाग से वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है।**
- **उद्देश्य एवं कार्य:**
  - सीसीपीए का प्राथमिक लक्ष्य सामूहिक रूप से उपभोक्ताओं के अधिकारों को **बढ़ावा देना, संरक्षित करना और लागू करना है।**
  - प्राधिकरण को यह अधिकार है कि वह
- उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन की जांच करना।
- शिकायतें और अभियोजन आरंभ करना।
- असुरक्षित वस्तुओं और सेवाओं को वापस बुलाने का आदेश दें।
- अनुचित व्यापार प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों को बंद करें।
- भ्रामक विज्ञापनों के निर्माताओं, समर्थकों और प्रकाशकों पर जुर्माना लगाएं।

वैश्विक प्रवाल विरंजन घटना ने रिकॉर्ड तोड़े

चर्चा में क्यों ?

चौथी वैश्विक प्रवाल विरंजन घटना (GCBE4) अब तक की सबसे व्यापक और सबसे तेज़ घटना बन गई है, जिसने 74 देशों में रीफ़ को प्रभावित किया है। जनवरी 2023 में शुरू हुई वैश्विक प्रवाल विरंजन घटना ने पिछले रिकॉर्ड को पार कर लिया है। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के अनुसार, यह अटलांटिक में लगभग 100% प्रवाल भित्ति क्षेत्रों और वैश्विक रीफ़ के 77% को प्रभावित कर रही है। एल नीनो और ला नीना दोनों चरणों के दौरान उच्च ताप तनाव इस व्यापक प्रभाव के लिए जिम्मेदार है।

चौथी वैश्विक प्रवाल विरंजन घटना (जीसीबीई4)

- यह एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संकट है जो दुनिया भर में प्रवाल भित्तियों को प्रभावित कर रहा है, तथा मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसा हो रहा है।
- इस घटना की विशेषता व्यापक प्रवाल विरंजन है, जो तब होता है जब प्रवाल सहजीवी शैवाल (ज़ूज़ैंथेला) को बाहर निकाल देते हैं जो उन्हें पोषक तत्व और रंग प्रदान करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर पारिस्थितिक परिणाम उत्पन्न होते हैं।
- इसकी शुरुआत 2020 में हुई थी और इसने वैश्विक स्तर पर प्रवाल भित्तियों को प्रभावित करना जारी रखा है, जो 20वीं सदी के अंत में निगरानी शुरू होने के बाद से चौथी ऐसी घटना है।
- ग्रेट बैरियर रीफ, कैरीबियाई तथा हिंद और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में प्रवाल भित्तियों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

मूंगे की चट्टानें

- **परिभाषा:** प्रवाल भित्तियाँ पानी के नीचे की संरचनाएं हैं जो जीवित प्रवालों द्वारा उत्पादित कैल्शियम कार्बोनेट से बनी होती हैं, जो एन्थोजोआ वर्ग से संबंधित समुद्री अकशेरुकी हैं ।
- **प्रवाल भित्तियों के प्रकार**
  - **फ्रिंजिंग रीफ्स:** तट के सबसे निकट, समुद्र तट से सीधे उगने वाली।
  - **बैरियर रीफ्स:** तट से दूर स्थित, लैगून द्वारा अलग।
  - **एटोल:** किसी लैगून को घेरने वाली गोलाकार चट्टानें, जो आमतौर पर ज्वालामुखी द्वीपों के धंसने से बनती हैं।
- यह मछली, अकशेरुकी और समुद्री स्तनधारियों सहित सभी समुद्री प्रजातियों के लगभग 25% को पोषण प्रदान करता है।
- वे कई समुद्री जीवों के लिए आवास और प्रजनन स्थल प्रदान करते हैं।
- वे प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं, तटरेखाओं को कटाव और तूफानी लहरों से बचाते हैं, जिससे प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव कम हो जाता है।

3 भारतीय अर्थव्यवस्था

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने RBI की मौद्रिक नीति समिति के RBI दर निर्धारण पैनल में 3 नए बाह्य सदस्यों की नियुक्ति की है। राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार MPC के नए बाह्य सदस्य हैं। उन्हें 4 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

एमपीसी के बारे में

- संशोधित आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45जेडबी के तहत केंद्र सरकार को छह सदस्यीय एमपीसी गठित करने का अधिकार है।
- एमपीसी में छह सदस्य होंगे - आरबीआई गवर्नर (अध्यक्ष), मौद्रिक नीति के प्रभारी आरबीआई डिप्टी गवर्नर, आरबीआई बोर्ड द्वारा नामित एक अधिकारी, तथा शेष तीन सदस्य भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आरबीआई का लोगो

- बाह्य सदस्य चार वर्ष की अवधि के लिए पद पर रहते हैं।
- एमपीसी बहुमत के आधार पर निर्णय लेती है। बराबर मत मिलने की स्थिति में आरबीआई गवर्नर के पास दूसरा या निर्णायक मत होगा।
- एमपीसी का निर्णय आरबीआई पर बाध्यकारी होगा।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)

- **स्थापना:** 1975 में एक अध्यादेश और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 के तहत।
- **विनियमित:** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)
- **पर्यवेक्षित:** राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
- ये वित्तीय संस्थाएँ कृषि और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई हैं।
- वे सहकारी विशेषताओं, स्थानीय ग्रामीण मुद्दों की समझ, तथा वाणिज्यिक बैंकों की व्यावसायिकता और संसाधन जुटाने की क्षमताओं को एक साथ जोड़ते हैं।

आरआरबी के कार्य

- ग्राहकों की बचत की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- ऋण उत्पन्न करना तथा मुद्रा आपूर्ति बढ़ाना।
- वित्तीय प्रणाली में जनता का विश्वास बढ़ाना।
- सार्वजनिक बचत को संगठित करना।
- समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करना।
- सभी ग्राहकों को, चाहे उनकी आय का स्तर कुछ भी हो, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना।
- समाज के हर वर्ग तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाकर सामाजिक समानता को बढ़ावा देना।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी)

चर्चा में क्यों ?

एडीबी ने 3 अक्टूबर 2024 को हिमाचल प्रदेश में सतत और समावेशी पर्यटन विकास परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए 162 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी है।

समाचार पर अधिक जानकारी

- यह परियोजना सांस्कृतिक और विरासत स्थलों को संरक्षित करके राज्य की पर्यटन क्षमता को बढ़ाएगी।
- यह परियोजना मंडी और हमीरपुर जिलों में सांस्कृतिक और विरासत केंद्रों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- इस परियोजना से कुल्लू में ऐतिहासिक नग्गर महल का भी जीर्णोद्धार होगा।
- इस परियोजना में सौर प्रकाश व्यवस्था और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे हरित समाधान शामिल किये जायेंगे।

एशियाई विकास बैंक के बारे में

- **स्थापना:** 19 दिसम्बर 1966.
- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस।
- **सदस्यों**
  - 1996 में 31 सदस्य
  - 2024 तक 68 सदस्य होंगे, जिनमें से 49 एशिया और प्रशांत क्षेत्र से तथा 19 सदस्य बाहर से होंगे।
- **भारत और एडीबी:** भारत एडीबी का संस्थापक सदस्य है और वर्तमान में चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक है।
- **वित्तपोषण:** यह अंतर्राष्ट्रीय बांड बाजार के माध्यम से वित्तपोषण जुटाता है।

ADB ASIAN DEVELOPMENT BANK

एडीबी का लोगो

डिजिटल इंडिया: भूमि अभिलेखों का एक नया युग

चर्चा में क्यों ?

भारत में डिजिटल परिवर्तन बहुत तेज़ी से हो रहा है, खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में। ऐसी ही एक बड़ी पहल है भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण। इस कदम का उद्देश्य भूमि प्रबंधन को आधुनिक बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और लाखों ग्रामीण नागरिकों को सशक्त बनाना है।

प्रमुख बिंदु

- 2016 से अब तक ग्रामीण भारत में लगभग 95% भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण हो चुका है।
- **डिजिटलीकरण के लाभ**
  - भूमि अभिलेखों तक ऑनलाइन आसान पहुंच, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी में कमी।
  - भूमि लेनदेन और विवाद समाधान के लिए सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं।
  - भूमि अधिकारों को सुरक्षित करके किसानों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश और विकास को सुविधाजनक बनाना।
- प्रमुख पहल डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी)
  - विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या (ULPIN)
  - राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस)
  - ई-कोर्ट एकीकरण
  - भूमि अभिलेखों का लिप्यंतरण
  - भूमि सम्मान

भूमि सुधार

- स्वतंत्रता के बाद शुरू किए गए भारत के भूमि सुधारों का उद्देश्य ऐतिहासिक भूमि स्वामित्व असमानताओं को दूर करना और कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना था।
- **प्रमुख सुधारों में शामिल हैं:**
  - **बिचौलियों (ज़मींदारों) का उन्मूलन:** ज़मींदारी प्रथा को समाप्त करना, जहां जमींदार किरायेदारों से किराया वसूलते थे, और भूमि अधिकारों को सीधे किसानों को हस्तांतरित करना।
  - **भूमि सीमा निर्धारण:** भूमि संकेन्द्रण को रोकने और अधिशेष भूमि को भूमिहीन किसानों में पुनर्वितरित करने के लिए भूमि सीमा निर्धारण अधिनियमों को लागू करना।
  - **भूमि-जोतों का समेकन** : कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए खंडित भूमि-जोतों को बड़ी, अधिक कुशल इकाइयों में संयोजित करना।
  - **किरायेदारों के अधिकारों की सुरक्षा:** किरायेदारों के लिए भूमि स्वामित्व, उचित किराया और भूमि क्रय करने के अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किरायेदारी सुधारों को लागू करना।
  - **सहकारी खेती को बढ़ावा देना** : कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार करने के लिए सामूहिक खेती को प्रोत्साहित करना।
  - यद्यपि इन सुधारों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, फिर भी इनका भारतीय कृषि और ग्रामीण समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है तथा सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास में योगदान मिला है।
- **भूमि पुनर्वितरण:** भूमिहीन किसानों को अधिशेष भूमि वितरित करना।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

चर्चा में क्यों ?

सितंबर में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। वार्षिक मुद्रास्फीति दर अगस्त में 3.65% से बढ़कर 5.49 % हो गई , जो दिसंबर 2023 के बाद का उच्चतम स्तर है, जब यह 5.69% थी।

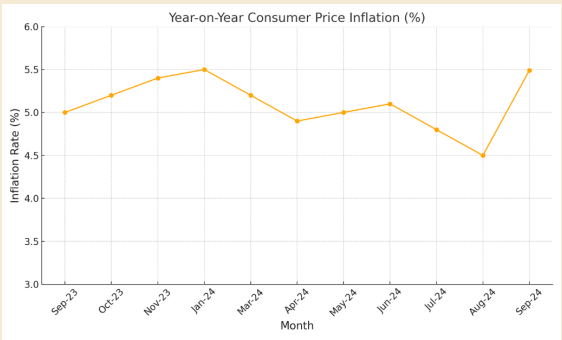

सितंबर 2023 से सितंबर 2024 तक वार्षिक आधार पर उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति के रुझान

मुद्रास्फीति के बारे में

- **परिभाषा:** मुद्रास्फीति से तात्पर्य उस दर से है जिस पर समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं, जिससे धन की क्रय शक्ति कम हो जाती है।
- **मुद्रास्फीति के कारण**
  - **मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति:** मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति तब होती है जब वस्तुओं और सेवाओं की मांग उनकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है।
  - **लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति:** लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन लागत में वृद्धि से प्रेरित होती है।
  - **मूल्य शक्ति मुद्रास्फीति:** जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में लम्बे समय तक वृद्धि नहीं की गई हो।

भारत में मुद्रास्फीति मापने के सूचकांक

- **थोक मूल्य सूचकांक (WPI)**
  - यह थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है (उत्पादकों और व्यवसायों के दृष्टिकोण से)।
  - **इसमें शामिल नहीं हैं** : सेवाएँ.
  - **कवर की गई वस्तुएं**
    - प्राथमिक लेख (117)
    - ईंधन और बिजली (16)
    - निर्मित उत्पाद (564)
  - **आधार वर्ष** : 2011-12
  - **प्रकाशितकर्ता:** आर्थिक सलाहकार कार्यालय, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
- **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई)**
  - यह मुद्रास्फीति का एक प्रमुख संकेतक है जो समय के साथ उपभोक्ताओं द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की एक टोकरी के लिए भुगतान की गई औसत खुदरा कीमतों में परिवर्तन को मापता है।
  - **आधार वर्ष** : 2012
  - **प्रकाशितकर्ता** : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई)
  - **मौद्रिक नीति:** मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा उपयोग किया जाता है।
- भारत में, अलग-अलग CPI हैं जो विशिष्ट जनसंख्या समूहों की जरूरतों को पूरा करते हैं:
  - औद्योगिक श्रमिकों के लिए सीपीआई (सीपीआई-आईडब्ल्यू)
  - कृषि मजदूरों के लिए सीपीआई (सीपीआई-एएल)
  - ग्रामीण मजदूरों के लिए सीपीआई (सीपीआई-आरएल)
  - संयुक्त सीपीआई (सीपीआई-सी)

4 सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

अभ्यास काज़िन्द-2024

चर्चा में क्यों ?

भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास काजिंद-2024 का 8 वां संस्करण उत्तराखंड के औली में शुरू हुआ। यह अभ्यास 30 सितंबर से 13 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण विशेषताएं

- भारतीय सशस्त्र बलों का प्रतिनिधित्व भारतीय सेना की कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन के साथ-साथ भारतीय वायु सेना के कार्मिक भी कर रहे हैं।
- कजाकिस्तान की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से थल सेना और वायु सेना के आक्रमणकारी जवानों द्वारा किया जाएगा।
- **उद्देश्य:** संयुक्त अभियान चलाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, युक्तियों और तकनीकों को साझा करना।

सिंगापुर भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (SIMBEX) 2024

चर्चा में क्यों ?

31 वें सिंगापुर भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (सिम्बेक्स) 23 से 29 अक्टूबर 2024 तक विशाखापत्तनम और बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना (आरएसएन) दोनों शामिल होंगी।

सिम्बेक्स 2024 के मुख्य बिंदु

- **प्रतिभागी** : आईएनएस शिवालिक (भारत), आरएसएस टेनेशियस (सिंगापुर), एक हेलीकॉप्टर के साथ।
- **स्थान** : पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम और बंगाल की खाड़ी।
- **चरण:**
  - **हार्बर चरण** : 23 से 25 अक्टूबर तक विशाखापत्तनम में, जिसमें विषय वस्तु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान (एसएमईई), खेल कार्यक्रम और क्रॉस-डेक दौरे शामिल होंगे।
  - **समुद्री चरण** : 28-29 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में, जिसमें पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी और वायु रोधी ऑपरेशन तथा लाइव हथियार फायरिंग सहित उन्नत नौसैनिक अभ्यास शामिल होंगे।
- यह दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री क्षेत्र जागरूकता और परिचालन अंतर-संचालन को बढ़ाता है, तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित समुद्री वातावरण को बढ़ावा देता है।

भारत ने भारत-जेन परियोजना शुरू की है

चर्चा में क्यों ?

भारत ने भारतीय भाषाओं के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बनाने के उद्देश्य से "भारत-जेन" पहल शुरू की।

भारत-जन एआई मॉडल

- **लॉन्च** तिथि: 30 सितम्बर 2024
- यह विश्व की पहली सरकारी वित्तपोषित मल्टीमॉडल लार्ज लैंग्वेज मॉडल परियोजना है।
- **विकसित** : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे द्वारा अंत:विषय साइबर-भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के तहत।

- **उद्देश्य:** जनरेटिव एआई प्रणालियां विकसित करना जो सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाएं और विभिन्न भारतीय भाषाओं में एआई को सुलभ बनाकर समावेशिता को बढ़ावा दें।
- **विशेषताएँ**
  - यह विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ और भाषण दोनों का समर्थन करता है।
  - भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाला पाठ और बहुआयामी सामग्री तैयार करना।
  - पूरे भारत में एआई को लोकतांत्रिक बनाने के लिए ओपन-सोर्स आधारभूत एआई मॉडल का निर्माण करना।
  - नवीन एआई समाधानों के लिए शोधकर्ताओं और डेवलपर्स के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाना।
  - डेटा-कुशल शिक्षण सुनिश्चित करना, विशेष रूप से सीमित डिजिटल उपस्थिति वाली भारतीय भाषाओं के लिए।
  - एआई प्रगति से लाभान्वित होने में सरकारी, निजी, शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों को सहायता प्रदान करना।
- चार टी-हब आईआईएससी बेंगलुरु, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स नई दिल्ली में स्थित हैं, जिनमें 17 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 17 तकनीकी समूह शामिल हैं।
- यह हब-स्पोक-स्पाइक मॉडल के तहत काम करेगा, जिससे समन्वित अनुसंधान और संसाधन साझाकरण के लिए अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

जर्मन नौसेना के साथ समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स)

समाचार में क्यों है ?

भारतीय नौसेना के विध्वंसक पोत आईएनएस दिल्ली, जर्मन नौसेना के फ्रिगेट बाडेन-वुर्टेमबर्ग और टैंकर फ्रैंकफर्ट एम मेन ने हाल ही में हिंद महासागर में समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स) का आयोजन किया।

समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स) के मुख्य बिंदु

- **प्रतिभागी** : भारतीय नौसेना का आईएनएस दिल्ली, जर्मन नौसेना का बाडेन-वुर्टेमबर्ग और फ्रैंकफर्ट एम मेन
- **स्थान** : हिंद महासागर
- इसका उद्देश्य भारत और जर्मनी के बीच समुद्री संपर्क को मजबूत करना तथा उनकी नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है।

भारत और जर्मनी के बीच एम.पी.एक्स. पर एक नज़र

भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी ने समुद्री अभ्यास 'नसीम अल बहर' का आयोजन किया

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी के बीच 'नसीम अल बहर' (सी ब्रीज) समुद्री अभ्यास का 13वां संस्करण 19 से 22 अक्टूबर, 2024 तक ओमान के तट पर चल रहा है।

'नसीम अल बहर' के बारे में

- 1993 में शुरू किया गया यह एक द्विवार्षिक समुद्री अभ्यास है जो भारत और ओमान के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है।
- इस वर्ष का आयोजन द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग के तीन दशकों का प्रतीक है, जो क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में दोनों देशों के बीच विकसित होती साझेदारी को प्रदर्शित करता है।
- **भाग लेने वाले भारतीय नौसेना के जहाज**
  - आईएनएस विशाखापत्तनम (निर्देशित मिसाइल विध्वंसक)
  - आईएनएस त्रिकंद (फ्रिगेट)
  - डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान
- **भाग लेने वाली ओमान रॉयल नेवी की संपत्ति**
  - आरएनओवी अल-शमीख (कार्वेट)
  - आरएनओवी अल-बुशरा (गश्ती जहाज)
  - समुद्री विमान
- **व्यायाम चरण**
  - **बंदरगाह चरण:** इसमें नौसेनाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए पेशेवर बातचीत, योजना बैठकें और सांस्कृतिक आदान-प्रदान शामिल थे।
  - **समुद्री चरण:** समन्वित सामरिक युद्धाभ्यास और बोर्डिंग अभ्यास सहित वायु, सतह और पानी के नीचे के युद्ध संचालन पर केंद्रित।

काला-अजार

चर्चा में क्यों ?

भारत कालाजार को खत्म करने के लिए तैयार है, जिसे विसरल लीशमैनियासिस के नाम से भी जाना जाता है, यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है। देश ने लगातार दो वर्षों तक प्रति 10,000 लोगों पर एक से कम मामले दर्ज किए हैं, जो उन्मूलन प्रमाणन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मानदंडों को पूरा करता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इस परजीवी रोग के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

कालाजार के बारे में

- **रोगज़नक़:** 20 से अधिक लीशमैनिया प्रजातियों से प्रोटोज़ोआ परजीवी।
- **संचरण** : संक्रमित मादा फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाई के काटने से, जो अण्डे पैदा करने के लिए रक्त पीती है।
- **लक्षण:** अनियमित बुखार, वजन घटना, प्लीहा और यकृत का बढ़ना, तथा एनीमिया।
- **व्यापकता** : अधिकांश मामले ब्राजील, पूर्वी अफ्रीका और भारत में पाए जाते हैं (चार स्थानिक राज्य बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल हैं)।
- भारत में मलेरिया के बाद कालाजार दूसरा सबसे घातक परजीवी रोग है।

ऐतिहासिक पीएसएलवी-सी37 मिशन का ऊपरी चरण पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश कर गया

चर्चा में क्यों ?

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने घोषणा की है कि पीएसएलवी सी-37 मिशन का ऊपरी चरण प्रक्षेपण के आठ वर्ष बाद, अक्टूबर 2024 की शुरुआत में पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करेगा।

ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) सी-37 मिशन

- **लॉन्च तिथि** : 15 फरवरी 2017
- **प्रक्षेपण स्थल** : सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा
- यह भारतीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पी ए स ए ल वी) कार्यक्रम का 39 वां मिशन था।
- इस मिशन में कुल 104 उपग्रह प्रक्षेपित किये गये, जिनमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों के 101 विदेशी उपग्रह तथा तीन भारतीय उपग्रह शामिल थे।

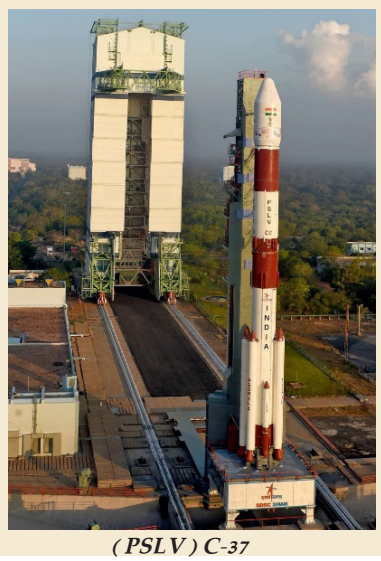
(PSLV) C-37

- इसने उस समय एक ही मिशन में सर्वाधिक संख्या में उपग्रह प्रक्षेपित करने का विश्व रिकार्ड बनाया, तथा रूस के पिछले रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)

- **स्थापना** : 1969
- **मुख्यालय** : बेंगलुरु, कर्नाटक
- **अध्यक्ष** : डॉ. श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ

- यह अंतरिक्ष विभाग के अधीन अंतरिक्ष एजेंसी है।
- यह भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान और अन्वेषण गतिविधियों की योजना और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है।
- एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसीएल) अंतरिक्ष उत्पादों के प्रचार और वाणिज्यिक उपयोग, तकनीकी परामर्श सेवाओं और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए एक विपणन शाखा है।
- भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इनसैट) प्रणाली एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ी घरेलू संचार उपग्रह प्रणालियों में से एक है।
- **मुख्य सफलतायें**
  - **इनसैट श्रृंखला:** दूरसंचार, प्रसारण, मौसम विज्ञान और खोज एवं बचाव कार्यों के लिए एक बहुउद्देश्यीय उपग्रह प्रणाली।
  - **आईआरएस श्रृंखला:** भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह जो कृषि, वानिकी, भूमि उपयोग मानचित्रण और आपदा प्रबंधन के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करते हैं।
  - **एस.एल.वी.-3** : भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपण यान जिसने 1980 में रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया।
  - **जीएसएलवी (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल):** भूस्थिर कक्षाओं में भारी पेलोड को प्रक्षेपित करने में सक्षम, जिससे भारत की उपग्रह क्षमताओं में वृद्धि होगी।
  - **मंगल ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान)** : 2013 में प्रक्षेपित, इसने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश और विश्व स्तर पर चौथी अंतरिक्ष एजेंसी बना दिया।
  - **चंद्रयान-1:** 2008 में प्रक्षेपित यह भारत का पहला चंद्र मिशन था, जिसने चंद्र सतह पर जल के अणुओं की खोज की थी।
  - **चंद्रयान-3** : 2019 में लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पता लगाना था, जिसमें एक ऑर्बिटर, लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) शामिल थे।
  - **एस्ट्रोसैट** : 2015 में प्रक्षेपित, यह भारत की पहली समर्पित बहु-तरंगदैर्घ्य अंतरिक्ष वेधशाला है, जो खगोल भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रही है।

मस्तिष्क क्षय रोग के उपचार में सुधार के लिए अद्वितीय दवा वितरण विधि

चर्चा में क्यों ?

शोधकर्ताओं ने तपेदिक (टीबी) की दवाओं को सीधे मस्तिष्क तक पहुंचाने के लिए एक अभूतपूर्व विधि विकसित की है, जो रक्त-मस्तिष्क अवरोध (बीबीबी) द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करती है।

क्षय रोग (टीबी) क्या है ?

- *यह एक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है जो मुख्यत: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस* नामक जीवाणु के कारण होता है ।
- यह सबसे अधिक फेफड़ों को प्रभावित करता है,
  - हालाँकि, यह मस्तिष्क, रीढ़ और गुर्दे सहित शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता है।
- संक्रमण: यह हवा के ज़रिए फैलता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है, जिससे बैक्टीरिया युक्त बूंदें निकलती हैं। आस-पास के लोग इन बूंदों को सांस के ज़रिए अंदर ले लेते हैं और संक्रमित हो जाते हैं।
- **टीबी के प्रकार**
  - **फुफ्फुसीय टीबी:** यह फेफड़ों को प्रभावित करती है और सबसे आम प्रकार है।
  - **एक्स्ट्रापल्मनरी टीबी:** मस्तिष्क (केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग या सीएनएस-टीबी), गुर्दे, रीढ़ और लिम्फ नोड्स सहित अन्य अंगों को प्रभावित करता है।

भारतीय प्रादेशिक सेना (आईटीए) के 75 वर्ष

भारतीय प्रादेशिक सेना के बारे में

- **उद्घाटन तिथि:** 9 अक्टूबर 1949, भारत के अंतिम गवर्नर जनरल श्री सी. राजगोपालाचारी द्वारा।
- **द्वितीय रक्षा पंक्ति:** 'टेरियर्स' के नाम से जानी जाने वाली यह सेना नियमित भारतीय सेना के बाद राष्ट्रीय रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में कार्य करती है।
- **प्राथमिक जिम्मेदारियाँ**
  - नियमित सेना को स्थैतिक कर्तव्यों से मुक्त किया जाए।

- प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नागरिक प्रशासन की सहायता करना तथा समुदायों के संकटग्रस्त होने पर आवश्यक सेवाएं जारी रखना।
- आवश्यकतानुसार नियमित सेना के लिए इकाइयाँ उपलब्ध कराना।

- **कार्यरत:** भारत का रक्षा मंत्रालय।
- **आदर्श वाक्य:** "सावधानी वा शूरता," या "सतर्कता और वीरता।"
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
  - **अंग्रेजों द्वारा स्थापना** : 1920 में भारतीय प्रादेशिक अधिनियम के तहत।
  - **आईटीए के मूलत: दो विंग थे**
    - यूरोपियन और एंग्लो-इंडियन के लिए सहायक बल।
    - भारतीय स्वयंसेवकों के लिए भारतीय प्रादेशिक बल।
  - **स्वतंत्रता के बाद:** प्रादेशिक **सेना अधिनियम** 1948 में पारित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 1949 में प्रादेशिक सेना का औपचारिक उद्घाटन हुआ।

लोगो : आईटीए

रवांडा में मारबर्ग वायरस का प्रकोप

चर्चा में क्यों ?

रवांडा, 36 मामलों और 11 मौतों के साथ अपने पहले मारबर्ग वायरस प्रकोप का सामना कर रहा है, संभावित उपचारों के लिए नैदानिक परीक्षणों पर अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग कर रहा है। सबिन वैक्सीन इंस्टीट्यूट ने फ्रंटलाइन वर्कर्स को शामिल करने वाले परीक्षण के लिए 700 वैक्सीन खुराक भेजी। मारबर्ग, एक घातक वायरस है जिसकी मृत्यु दर 88% तक है, सितंबर के अंत में पता चला था।

मारबर्ग वायरस

- यह एक घातक रोगाणु है जो मारबर्ग वायरस रोग (एमवीडी) का कारण बनता है, जो एक प्रकार का वायरल रक्तस्रावी बुखार है।
- **पहली रिपोर्ट** : 1967 में, मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) और बेलग्रेड (सर्बिया) में प्रयोगशाला प्रकोप का पता युगांडा से आए वर्वेट बंदरों से लगाया गया।
- **उल्लेखनीय प्रकोप** : अंगोला (2005), गिनी (2021), घाना (2022), इक्वेटोरियल गिनी (2023), डीआरसी (1998-2000), युगांडा (कई बार), तंजानिया (2023), केन्या (1980, 1987), दक्षिण अफ्रीका (1975) में हुआ।
- गुफाओं और खदानों में पाए जाने वाले रौसेट चमगादड़ मनुष्यों में यह वायरस फैलाते हैं।
- **मानव संचरण:** शारीरिक तरल पदार्थ (जैसे, रक्त, लार, मूत्र) के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।
- यह वायरस शरीर के बाहर स्थिर नहीं रहता है, तथा हवा के माध्यम से इसका संक्रमण दुर्लभ है।

रवांडा

- **स्थान** : पूर्व-मध्य अफ्रीका
- **सीमावर्ती** : युगांडा, तंजानिया, बुरुंडी और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य।
- **राजधानी** : किगाली
- इसे "हजार पहाड़ियों की भूमि" के नाम से जाना जाता है।
- 1894 में इसे जर्मनी ने उपनिवेश बना लिया, फिर प्रथम विश्व युद्ध के बाद इसे बेल्जियम के नियंत्रण में स्थानांतरित कर दिया गया।
- **स्वतंत्रता** : 1962 में बेल्जियम से
- **1994 नरसंहार:** मात्र 100 दिनों में, अनुमानत: 800,000 तुत्सी और उदारवादी हुतु मारे गये।
- **सरकार** : एक सत्तावादी तानाशाही के तहत एकात्मक राष्ट्रपति गणराज्य
- **अध्यक्ष:** पॉल कागमे
- **प्रधान मंत्री** : एडौर्ड नगिरेंटे
- यह संसद में महिलाओं का विश्व में सबसे अधिक प्रतिशत वाला देश है।
- **आधिकारिक भाषा** : किन्यारवांडा के साथ-साथ फ्रेंच, अंग्रेजी और स्वाहिली।
- **मुद्रा** : रवांडा फ्रैंक (RWF)
- **रवांडा का स्थान**

5 इतिहास

लाल बहादुर शास्त्री की 120वीं जयंती

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

- **जन्म:** लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को मुगल सराय, उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- उनकी शुरुआत बहुत ही साधारण थी और जब वह सिर्फ एक वर्ष के थे तब उनके पिता का निधन हो गया।
- **नैतिक मूल्य** : उनका पालन-पोषण ऐसे वातावरण में हुआ था जहाँ मजबूत नैतिक मूल्यों पर जोर दिया जाता था।
- **शिक्षा:** आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, शास्त्री जी ने अपनी शिक्षा जारी रखने का दृढ़ संकल्प किया और 1926 में **काशी विद्यापीठ से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।**
- **जाति-आधारित उपनाम** : अपने छात्र जीवन के दौरान, उन्होंने सामाजिक बाधाओं को तोड़ने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए अपना जाति-आधारित उपनाम श्रीवास्तव छोड़ दिया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान

- **असहयोग आंदोलन पर प्रतिक्रिया** : सोलह वर्ष की आयु में, जब गांधीजी ने असहयोग आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया तो उन्होंने तुरंत अपनी पढ़ाई छोड़ने का निर्णय लिया।
- **नमक मार्च के लिए समर्थन** : 1930 में, उन्होंने महात्मा गांधी के दांडी मार्च का सक्रिय रूप से समर्थन किया, जिसमें शाही नमक कानून की अवहेलना की गई थी।
- **सक्रिय भागीदारी:** उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया तथा स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्यकाल

- वह 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत रहे ।
- **नीतियों की निरंतरता:** उन्होंने नेहरू की समाजवादी आर्थिक नीतियों को बरकरार रखा, तथा केंद्रीय योजना पर ध्यान केंद्रित किया।
- **हरित क्रांति फाउंडेशन:** खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता के उनके दृष्टिकोण ने भारत में हरित क्रांति के शुरुआती चरणों में योगदान दिया।
- **श्वेत क्रांति के लिए समर्थन:** शास्त्री जी ने गुजरात के आणंद में अमूल सहकारी संस्था को समर्थन देकर और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना करके, दूध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से श्वेत क्रांति को बढ़ावा दिया।
- **खाद्यान्न की कमी पर प्रतिक्रिया:** दीर्घकालिक खाद्यान्न की कमी के मद्देनजर, उन्होंने नागरिकों को जरूरतमंदों तक खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के लिए स्वेच्छा से एक भोजन छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **प्रसिद्ध नारा:** शास्त्री जी ने " जय जवान, जय किसान" का चिरस्थायी नारा गढ़ा, जो आज भी भारतीयों को प्रेरित करता है।
- **भारत-पाक युद्ध में योगदान:** 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान उनकी भूमिका और ताशकंद घोषणा को सुगम बनाने में उनकी भूमिका ने आधुनिक भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण चिह्नित किया।
- **शांति के पक्षधर:** यद्यपि भारत ने युद्ध जीत लिया, शास्त्री जी ने दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण समाधान का लक्ष्य रखा तथा इस बात पर बल दिया कि उनका ध्यान संघर्ष के बजाय अपने नागरिकों की बुनियादी जरूरतों पर होना चाहिए।

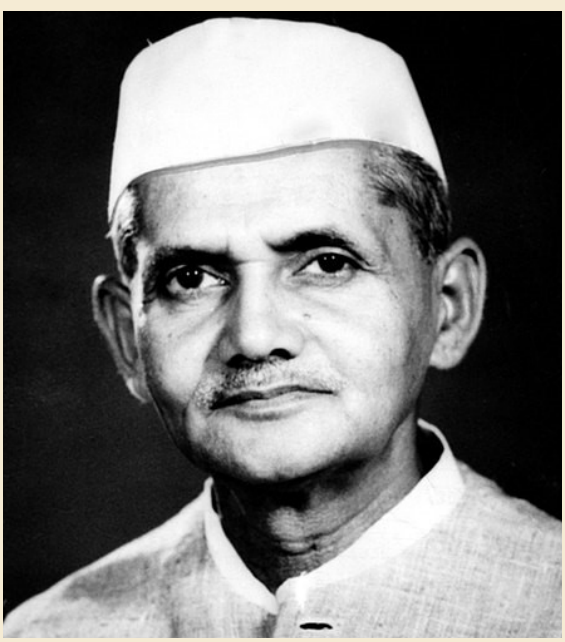

लाल बहादुर शास्त्री (1904-1966)

सत्य शोधक समाज

सत्य शोधक समाज के बारे में

- **स्थापना:** सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने के लिए 24 सितंबर 1873 को ज्योतिराव फुले द्वारा स्थापित ।
- **उद्देश्य**
  - शूद्रों और अतिशूद्रों को पुरोहितों, साहूकारों आदि के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बंधन से मुक्त कराना।
  - इसका उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रथाओं में पुजारियों की आवश्यकता को समाप्त करना था।
  - इसका उद्देश्य शिक्षित शूद्रों और अतिशूद्रों के लिए प्रशासन में रोजगार के अवसर पैदा करना था।
  - इसने उत्पीड़ित वर्गों में शिक्षा को प्रोत्साहित किया ताकि वे उन धार्मिक ग्रंथों को पढ़ और समझ सकें जो उनका शोषण करते थे।
  - इसने समान लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निचली जातियों में एकजुटता की भावना को बढ़ावा दिया।
- **विकास:** एक दशक के भीतर महाराष्ट्र के शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विस्तार हुआ, सभी के लिए खुली सदस्यता के साथ।

महात्मा ज्योतिराव फुले

- **जन्म:** पुणे में एक माली परिवार में जन्मे, उन्होंने पेशवा शासन के दौरान जाति-आधारित उत्पीड़न देखा।
- सभी के लिए स्वतंत्रता और समानता को बढ़ावा देने वाले उनके आंदोलनों के लिए उन्हें आधुनिक भारत की परिकल्पना के प्रथम निर्माता के रूप में जाना जाता है।
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर उन्हें बुद्ध और कबीर के समान गुरु मानते थे।
- **साहित्यिक योगदान:** लोकप्रिय मिथकों की जांच करने और अंधविश्वास, पुरोहितवाद और जातिगत भेदभाव के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए गुलामगिरी (1873) जैसी किताबें लिखीं।
- **अन्य महत्वपूर्ण लेखन**
  - थर्ड जेम (नाटक) - 1855
  - छत्रपति शिवाजी की गाथा - 1869
  - ब्राह्मणों का छल - 1869
  - गुलामी - 1873
  - किसान का चाबुक - 1883
  - अछूतों की स्थिति - 1885
  - सच्चे धर्म की सार्वजनिक पुस्तक - 1889
  - सत्यशोधक समाज के लिए उपयुक्त भजन और पूजा पद्धतियाँ - 1887
  - विविध काव्य रचनाएँ

महात्मा ज्योतिराव फुले

महात्मा गांधी की जयंती

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 अक्टूबर 2024 को महात्मा गांधी की 155 वीं जयंती के अवसर पर पटना में नवनिर्मित बापू टावर का लोकार्पण किया । गांधी जयंती हर साल 2 अक्टूबर को मनाई जाती है।

बापू टावर, पटना

महात्मा गांधी के बारे में

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा**
  - **जन्म:** 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर , गुजरात में।
  - **मृत्यु:** 30 जनवरी 1948.
  - उन्हें भारत में 'राष्ट्रपिता' के रूप में सम्मानित किया गया, वे देश भर के लोगों को प्रेरित करते रहते हैं।

- उनके पिता करमचंद गांधी पोरबंदर राज्य के एक सम्मानित दीवान (मुख्यमंत्री) थे और उनकी मां पुतलीबाई एक अत्यंत धार्मिक और देखभाल करने वाली महिला थीं।
- वह 1888 में 18 वर्ष की आयु में कानून की पढ़ाई करने के लिए लंदन चले गए और कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद 1891 में भारत लौट आये।
- उन्होंने 1891 में भारत में अपनी वकालत शुरू की लेकिन सफलता पाने के लिए संघर्ष किया।
- 1893 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में एक भारतीय फर्म के लिए वकील के रूप में काम करने का अनुबंध स्वीकार कर लिया।
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए गांधीजी को नस्लीय भेदभाव का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ, जिसका उन पर गहरा प्रभाव पड़ा।
- दक्षिण अफ्रीका में नस्लीय अन्याय के उनके अनुभवों ने उन्हें ऐसे अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रेरित किया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी का योगदान

- गांधीजी ने अपना पहला महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के उद्घाटन के दौरान किया था।
- उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को अधिक समावेशी तथा भारतीय जनसंख्या के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाला बनाने की इच्छा व्यक्त की।
- **गांधी जी द्वारा किये गए प्रमुख जन आंदोलन**
  - चंपारण सत्याग्रह (1917)
  - अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)
  - खेड़ा सत्याग्रह (1918)
  - रौलट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह (1919)
  - असहयोग आंदोलन (1921-22)
  - सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-34)
  - भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
- **गांधीजी की प्रमुख रचनाएँ**
  - सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी (1927)
  - हिंद स्वराज या भारतीय स्वशासन (1909)
  - दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह (1928)
  - स्वास्थ्य की कुंजी (1948)
  - रचनात्मक कार्यक्रम: इसका अर्थ और स्थान (1941)
  - मेरे सपनों का भारत (1947)
  - सत्य ही ईश्वर है (1955, मरणोपरांत)
  - यरवदा मंदिर से (1932)
  - मेरा धर्म (1957, मरणोपरांत)

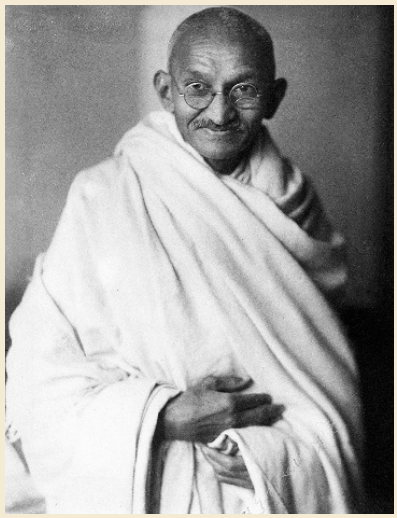

महात्मा गांधी

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की 4,500 साल पुरानी समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) को मंजूरी दे दी है। चरणों में विकसित, इसका उद्देश्य 22,000 नौकरियां पैदा करना है और इसमें संग्रहालय, गैलरी, एक लाइटहाउस संग्रहालय और मनोरंजक सुविधाएं शामिल हैं, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय समुदायों को लाभ होगा। चरण 1A को 2025 तक पूरा करने की योजना है।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के बारे में

- **विज़न** : भारत की 4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना।
- **विकसितकर्ता** : पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW)।
- **मास्टरप्लान** : प्रसिद्ध वास्तुकला फर्म हफीज कॉन्ट्रैक्टर द्वारा निर्मित।
- **निर्माण चरण 1ए:** टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को सौंपा गया।
- **उद्देश्य**
  - पर्यटन, शिक्षा और स्थानीय सामुदायिक लाभ को बढ़ाना।
  - क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार सृजन और आर्थिक विकास।

6 विश्व मामले

वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) 2024

चर्चा में क्यों?

भारत ने 2024 के वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में 133 अर्थव्यवस्थाओं के बीच 39वां स्थान हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो मजबूत नीतियों, अनुसंधान और विकास में निवेश और स्टार्टअप्स और उद्योगों के बीच सहयोग के माध्यम से एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

शीर्ष 5 स्थान धारक

- विश्व की सर्वाधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएँ
  - स्विट्ज़रलैंड
  - स्वीडन
  - संयुक्त राज्य अमेरिका
  - सिंगापुर
  - यूनाइटेड किंगडम
- **पिछले कुछ वर्षों में भारत की छलांग:** लगभग एक दशक की अवधि में, भारत ने जीआईआई रैंकिंग में जबरदस्त प्रगति की है, जो 2015 में 81वें स्थान से 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गया है।

जीआईआई के बारे में

- **लॉन्च:** 2007
- **विमोचनकर्ता: INSEAD (एक प्रमुख बिजनेस स्कूल) द्वारा,** *वर्ल्ड बिजनेस* (एक ब्रिटिश पत्रिका) के सहयोग से।
- यह एक मानक संसाधन के रूप में कार्य करता है जो वैश्विक नवाचार प्रवृत्तियों को रेखांकित करता है, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और अन्य लोगों को जीवन को बेहतर बनाने और जलवायु परिवर्तन जैसी आम चुनौतियों से निपटने के लिए मानव रचनात्मकता का उपयोग करने में मदद करता है।

यूनाइटेड किंगडम (यूके)-मॉरीशस संधि: चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता को संबोधित करना

चर्चा में क्यों?

3 अक्टूबर 2024 को, यूके और मॉरीशस ने चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को हस्तांतरित करने के लिए एक "ऐतिहासिक" समझौता किया है, जबकि डिएगो गार्सिया पर यूके-यूएस सैन्य अड्डे को कम से कम 99 और वर्षों तक चालू रखा जाएगा। 2022 से बातचीत के बाद यह समझौता एक लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवाद को हल करता है और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अड्डे के भविष्य को सुनिश्चित करता है।

समझौते में भारत की भूमिका

- भारत ने चागोस द्वीप समूह पर कानूनी विवाद में मॉरीशस का समर्थन किया है तथा संप्रभुता पर जोर दिया है।
  - भारत का समर्थन संप्रभुता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता तथा मॉरीशस के साथ उसके विशेष राष्ट्रमंडल संबंध को दर्शाता है।
  - विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पोर्ट लुईस की यात्रा के दौरान भारत के समर्थन की पुष्टि की।
- मॉरीशस-ब्रिटेन समझौते में भारत ने महत्वपूर्ण लेकिन संक्षिप्त भूमिका निभाई।
  - भारत ने दोनों पक्षों से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणामों के लिए बातचीत करने का आग्रह किया।
- इस समझौते को सभी पक्षों की जीत के रूप में देखा जा रहा है तथा यह हिंद महासागर क्षेत्र में दीर्घकालिक सुरक्षा को मजबूत करेगा।

चागोस द्वीप विवाद के बारे में

- **ऐतिहासिक दावा:** 1814 में मॉरीशस के साथ ब्रिटेन ने हिंद महासागर में स्थित चागोस द्वीपसमूह पर दावा किया था।
- **अमेरिका को पट्टा:** 1966 में ब्रिटेन ने द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया को सैन्य अड्डे के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को पट्टे पर दे दिया।

- **चागोसियन संघर्ष** : चागोसियन, मुख्य रूप से 18वीं शताब्दी में द्वीपों पर लाए गए अफ्रीकी दासों के वंशज हैं, जो वापस लौटने के अधिकार के लिए लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।
- **मॉरीशस का दावा** : 1968 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, मॉरीशस ने लगातार चागोस द्वीप समूह पर अपना दावा जताया है।
- **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का निर्णय** : 2019 में, आईसीजे ने फैसला सुनाया कि ब्रिटेन को चागोस द्वीप समूह पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं है और उसने द्वीपसमूह से ब्रिटेन को हटने को कहा।

चागोस द्वीप समूह के बारे में

- **स्थान** : मध्य हिंद महासागर में एक द्वीप समूह, भारतीय उपमहाद्वीप से लगभग 1,000 मील (1,600 किमी) दक्षिण में।
- **प्रादेशिक स्थिति** : यूनाइटेड किंगडम का एक विदेशी क्षेत्र, 8 नवंबर 1965 को स्थापित किया गया।
- **प्रमुख द्वीप:** इसमें डिएगो गार्सिया (एक रणनीतिक अमेरिकी सैन्य बेस का घर), डेंजर द्वीप, एग्मोंट द्वीप, ईगल द्वीप, नेल्सन द्वीप और पेरोस बानहोस एटोल शामिल हैं।
- **जलवायु** : उच्च तापमान और आर्द्रता के साथ उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु, व्यापारिक हवाओं द्वारा नियंत्रित।

चागोस द्वीप समूह

भारत-चीन संबंध

चर्चा में क्यों ?

भारत और चीन ने विवादित सीमा क्षेत्रों से सफलतापूर्वक अपनी वापसी पूरी कर ली है। मई 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो गई है और दोनों देश गश्त नियमों पर सहमत हो गए हैं। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारत-चीन सीमा विवाद: एक जटिल और विकसित होता रिश्ता

- भारत-चीन सीमा, जो 3,488 किलोमीटर तक फैली है, स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं है, तथा कुछ भागों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी कोई सहमति नहीं है।
- सीमा को तीन सेक्टरों में बांटा गया है:

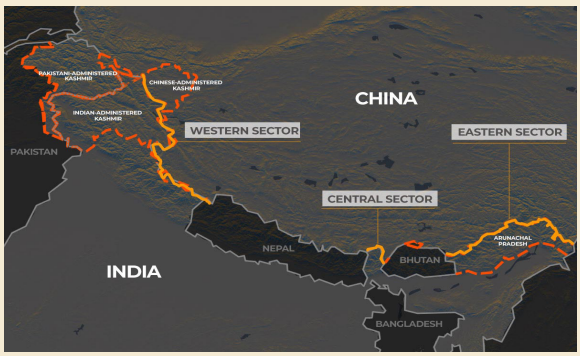

भारत और चीन के बीच विवादित क्षेत्रों को दर्शाने वाला मानचित्र

करतारपुर कॉरिडोर

चर्चा में क्यों ?

भारत और पाकिस्तान ने करतारपुर कॉरिडोर समझौते को पाँच साल के लिए बढ़ा दिया है। इससे भारतीय तीर्थयात्री बिना वीज़ा के पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की यात्रा जारी रख सकेंगे। भारत ने पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों पर लगाए जाने वाले 20 डॉलर के सेवा शुल्क को हटाने का आग्रह किया है। 2019 में इसके खुलने के बाद से 110,000 से ज़्यादा भारतीय नागरिक इस कॉरिडोर का इस्तेमाल कर चुके हैं।

करतारपुर कॉरिडोर के बारे में

- यह एक अत्यंत प्रतिष्ठित सिख तीर्थस्थल है।
- ऐसा माना जाता है कि यह गुरु नानक देव जी का जन्मस्थान है।
  - गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष यहीं बिताए थे।

- यह भारत को पाकिस्तान से जोड़ने वाला 4.5 किलोमीटर (2.8 मील) लंबा गलियारा है।
- यह भारत से सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर तक वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

करतारपुर कॉरिडोर को दर्शाने वाला मानचित्र

गुरु नानक देव जी के बारे में

- वह सिख धर्म के संस्थापक थे।
- उन्होंने भक्ति के एक ऐसे स्वरूप की वकालत की जो निराकार ईश्वर **(निर्गुण भक्ति) पर केंद्रित थी।**
- उन्होंने हिंदू और इस्लाम दोनों धर्मों के पारंपरिक अनुष्ठानों और धर्मग्रंथों को अस्वीकार कर दिया।
- **उनके जन्म को गुरु नानक देव जयंती के रूप में मनाया जाता है।**
  - यह काटक माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

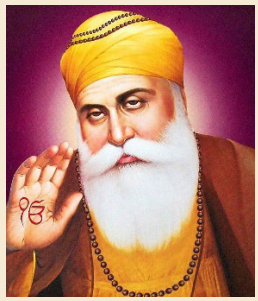

गुरु नानक देव जी

- **उन्होंने सामूहिक पूजा (संगत)** की प्रथा की स्थापना की , जिसमें भजनों का सामूहिक पाठ शामिल था।
- उन्होंने गुरु अंगद को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया, जिससे गुरुओं की एक परंपरा शुरू हुई जो लगभग 200 वर्षों तक जारी रही।
- पांचवें गुरु, **गुरु अर्जन देव ने आदि ग्रंथ साहिब का** संकलन किया , जो गुरु नानक देव और उनके उत्तराधिकारियों तथा अन्य धार्मिक कवियों के भजनों का संग्रह है।
  - **आदि ग्रन्थ साहिब के भजन, जिन्हें गुरबानी कहा जाता है,** विभिन्न भाषाओं में रचित हैं।

वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक, 2024

चर्चा में क्यों ?

वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक (एनसीआई) 2024 में भारत 180 देशों में 176 $^{वें}$ स्थान पर है , जो जैव विविधता संरक्षण और सतत भूमि उपयोग में गंभीर चुनौतियों का संकेत देता है। 24 अक्टूबर को जारी किए गए इस सूचकांक में भारत को 100 में से 45.5 अंक दिए गए हैं, जो इसे किरिबाती, तुर्की, इराक और माइक्रोनेशिया के साथ सबसे कम रैंक वाले पांच देशों में से एक बनाता है, जो तत्काल संरक्षण की जरूरतों को दर्शाता है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें

- **भूमि रूपांतरण मुद्दे** : भारत की लगभग 53% भूमि शहरी, औद्योगिक और कृषि उपयोग के लिए परिवर्तित हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक आवासों को काफी नुकसान हो रहा है।
- **उच्च कीटनाशक उपयोग और मृदा प्रदूषण** : यह अत्यधिक कीटनाशक उपयोग और मृदा प्रदूषण के बारे में चेतावनी देता है, जिसमें 0.77 का चिंताजनक सतत नाइट्रोजन सूचकांक है, जो बेहतर मृदा स्वास्थ्य की आवश्यकता का संकेत देता है।
- **सीमित समुद्री संरक्षण:** भारत के केवल 0.2% जलमार्ग संरक्षित हैं तथा इसके अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में कोई संरक्षित समुद्री क्षेत्र नहीं है, जो समुद्री संरक्षण में अंतर को उजागर करता है।
- **आवास की हानि और विखंडन:** वनों की कटाई, शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास के कारण आवास का विखंडन और जैव विविधता की हानि हो रही है, वनों की कटाई की दर चिंताजनक है - 2001 और 2019 के बीच 23,300 वर्ग किमी वृक्ष क्षेत्र नष्ट हो गया।
- **संरक्षित क्षेत्रों में प्रजातियों की संख्या में कमी** : यद्यपि 40% समुद्री और 65% स्थलीय प्रजातियाँ संरक्षित क्षेत्रों में हैं, फिर भी जनसंख्या में गिरावट जारी है - 67.5% समुद्री और 46.9% स्थलीय प्रजातियों की संख्या में कमी आ रही है।
- **अवैध वन्यजीव व्यापार:** भारत चौथा सबसे बड़ा अवैध वन्यजीव व्यापारी है, जिसका वार्षिक कारोबार £15 बिलियन है।
- ये निष्कर्ष सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 14 (पानी के नीचे जीवन) और 15 (भूमि पर जीवन) को पूरा करने में भारत की चुनौतियों को दर्शाते हैं।

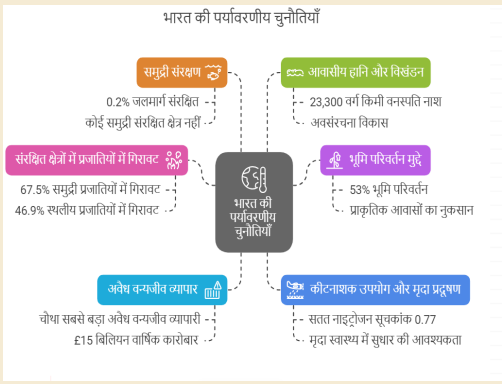

ब्रिक्स

चर्चा में क्यों ?

कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुधारों और बहुपक्षीय सहयोग का समर्थन करने वाले घोषणापत्र को अपनाया गया। भारत और चीन ने बातचीत के ज़रिए अपने सीमा विवादों को सुलझाने और स्थिर द्विपक्षीय संबंध बनाए रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने अपने संबंधों में आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के महत्व पर ज़ोर दिया।

16 वें शिखर सम्मेलन कज़ान, रूस में ब्रिक्स प्रतिनिधि

ब्रिक्स के बारे में

- ब्रिक्स विश्व की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं अर्थात ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह का संक्षिप्त नाम है।
- नये सदस्य: मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इथियोपिया 2023 में शामिल होंगे।
- ब्रिक्स नेताओं का शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- 15 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी 2023 में दक्षिण अफ्रीका द्वारा की जाएगी।
- रूस अक्टूबर 2024 में कज़ान में 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी
- इस शिखर सम्मेलन में कज़ान घोषणा को अपनाया गया।
- ब्रिक्स का गठन
  - इस समूह का पहली बार अनौपचारिक गठन 2006 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में जी-8 (अब जी-7) आउटरीच शिखर सम्मेलन के दौरान ब्राजील, रूस, भारत और चीन (ब्रिक) के नेताओं की बैठक के दौरान हुआ था, जिसे बाद में 2006 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक के दौरान औपचारिक रूप से दिया गया।
  - 2009 में, रूस के येकातेरिनबर्ग में BRIC का पहला शिखर सम्मेलन हुआ। अगले वर्ष (2010) दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हो गया और BRICS के नाम से एक समूह बना।

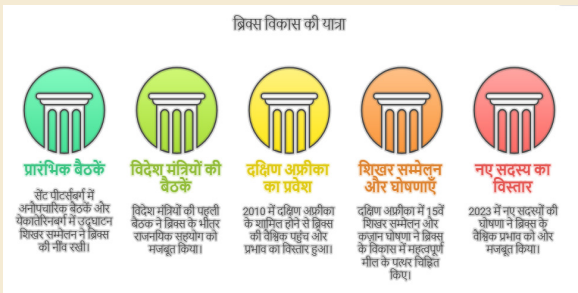

ब्रिक्स का विकास

- टिप्पणी: फोर्टालेजा (2014) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं ने न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

प्रकृति संरक्षण सूचकांक (एनसीआई)

- **लॉन्च तिथि** : अक्टूबर 2024
- **विकसितकर्ता:** नेगेव के बेन-गुरियन विश्वविद्यालय के गोल्डमैन सोननफेल्ड स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज तथा जैवविविधता डेटा के रखरखाव के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी वेबसाइट BioDB.com द्वारा।
- यह चार मानदंडों का उपयोग करके संरक्षण प्रयासों का मूल्यांकन करता है -
  - भूमि प्रबंधन
  - जैव विविधता के लिए खतरे
  - क्षमता और शासन
  - भविष्य के रुझान

- यह एक डेटा-संचालित विश्लेषण है जो संरक्षण और विकास के बीच संतुलन बनाने में प्रत्येक देश की प्रगति का आकलन करता है।
- इसका उद्देश्य सरकारों, शोधकर्ताओं और संगठनों को चिंताओं की पहचान करने और दीर्घकालिक जैव विविधता संरक्षण के लिए संरक्षण नीतियों को बढ़ाने में मदद करना है।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) शिखर सम्मेलन 2024

चर्चा में क्यों?

21 वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-आसियान साझेदारी को बढ़ाने के लिए 10 सूत्री योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की, तथा एशिया के भविष्य के लिए इसके महत्व पर बल दिया।

10-सूत्री योजना

- 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाना जिसके लिए भारत संयुक्त गतिविधियों के लिए 5 मिलियन अमरीकी डॉलर उपलब्ध कराएगा;
- युवा शिखर सम्मेलन, स्टार्ट-अप महोत्सव, हैकाथॉन, संगीत महोत्सव, आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क और दिल्ली वार्ता सहित कई जन-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मनाना;
- आसियान-भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास निधि के अंतर्गत आसियान-भारत महिला वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन;
- नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्तियों की संख्या दोगुनी करना तथा भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान छात्रों के लिए नई छात्रवृत्तियों का प्रावधान करना;
- 2025 तक आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा;
- आपदा लचीलापन बढ़ाना जिसके लिए भारत 5 मिलियन अमरीकी डॉलर उपलब्ध कराएगा;
- स्वास्थ्य लचीलापन बनाने की दिशा में स्वास्थ्य मंत्रियों का एक नया मार्ग आरंभ करना;
- डिजिटल और साइबर लचीलेपन को मजबूत करने की दिशा में आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता का एक नियमित तंत्र शुरू करना;
- हरित हाइड्रोजन पर कार्यशाला
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 'माँ के लिए एक पेड़ लगाओ' अभियान में शामिल होने के लिए आसियान नेताओं को आमंत्रित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लाओस के विएंतियाने में 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान)

- यह एक क्षेत्रीय संगठन है जिसकी स्थापना एशिया-प्रशांत के उत्तर-औपनिवेशिक राज्यों के बीच बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।
- **स्थापना:** 8 अगस्त 1967, बैंकॉक, थाईलैंड
- **आदर्श वाक्य:** "एक दृष्टि, एक पहचान, एक समुदाय"।
- 8 अगस्त को आसियान दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- **सचिवालय:** जकार्ता, इंडोनेशिया।
- **दस सदस्य:** ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।
- **विकास**
  - **दक्षिण पूर्व एशिया संघ (एएसए), 1961:** इसका गठन आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा किया गया था।
  - **बैंकॉक घोषणा, 1967:** संस्थापक सदस्यों द्वारा औपचारिक स्थापना; इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड।
  - ब्रुनेई (1984), वियतनाम (1995), लाओस और म्यांमार (1997), तथा कंबोडिया (1999) को जोड़ा गया।
  - **मैत्री एवं सहयोग संधि (टीएसी), 1976:** इसने सदस्य राज्यों के बीच शांतिपूर्ण संबंधों और सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित की।
  - **ए.एस.ई.एन. मुक्त व्यापार क्षेत्र (ए.एफ.टी.ए.), 1992:** इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना था।
  - **आसियान चार्टर, 2008:** यह संगठन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है और इसके संस्थागत ढांचे को मजबूत करता है।
  - **आसियान आर्थिक समुदाय (एईसी), 2015:** इसका उद्देश्य सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करना और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था।

- **आसियान क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी), 2020 में शामिल हुआ** : एक मुक्त व्यापार समझौता।

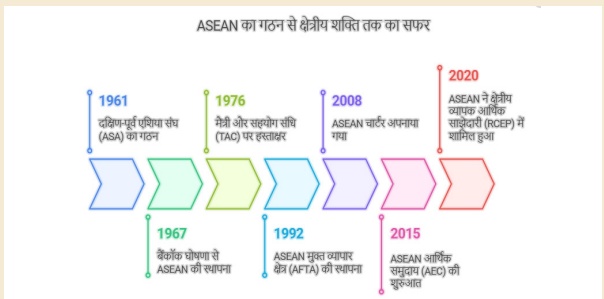

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

चर्चा में क्यों ?

विदेश मंत्री एस जयशंकर इस्लामाबाद में होने वाले उच्च स्तरीय एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। भारत और पाकिस्तान दोनों ने शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की संभावना से इनकार किया है।

एससीओ के बारे में

- **स्थापना:** 2001, शंघाई शिखर सम्मेलन
- **संस्थापक सदस्य:** रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान
- **बाद में शामिल हुए सदस्य:**
  - **भारत और पाकिस्तान** : 2017
  - **ईरान** : 2023
  - **बेलारूस** : 2024
- **अन्य भागीदार** : 3 पर्यवेक्षक राज्य और 6 संवाद साझेदार
- **प्रमुख संरचनाएं**
  - **राष्ट्राध्यक्षों की परिषद** – सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था
  - **शासनाध्यक्षों की परिषद** - दूसरा सर्वोच्च प्राधिकारी
- **स्थायी निकाय**
  - **सचिवालय** : बीजिंग, चीन
  - **क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस):** ताशकंद, उज्बेकिस्तान

एससीओ का लोगो

7 विविध

महत्वपूर्ण दिन

दिन	तारीख	विषय
विश्व शाकाहारी दिवस	1 अक्टूबर	थीम 2024: मिक्स इट अप
अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी दिवस	1 अक्टूबर	थीम 2024: "कॉफी, आपका दैनिक अनुष्ठान, हमारी साझा यात्रा"।
विश्व अंतरिक्ष सप्ताह	यह विश्व स्तर पर 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक मनाया जाता है।	
आयुर्वेद दिवस 2024	भारत सरकार वर्ष 2016 से हर वर्ष धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) को आयुर्वेद दिवस मनाती आ रही है।	"वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार।"
विश्व शहर दिवस 2024	31 अक्टूबर	2024 का विषय है "शहरों के लिए जलवायु और स्थानीय कार्रवाई का नेतृत्व युवा करें।"
अंतर्राष्ट्रीय बौनापन जागरूकता दिवस	25 अक्टूबर	
विश्व हिम तेंदुआ दिवस 2024	23 अक्टूबर	
विश्व पशु कल्याण दिवस	4 अक्टूबर	थीम 2024: विश्व उनका भी घर है।
विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस	6 अक्टूबर	थीम 2024: विशिष्ट सीपी
भारतीय वायुसेना दिवस 2024	8 अक्टूबर	थीम 2024: 'भारतीय वायु सेना - सक्षम, शशक्त, आत्मनिर्भर' (शक्तिशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर)।
विश्व डाक दिवस	9 अक्टूबर	थीम 2024: देश भर में संचार को सक्षम बनाने और लोगों को सशक्त बनाने के 150 वर्ष
अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस	11 अक्टूबर	थीम 2024: 'भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण'।
विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	12 अक्टूबर	थीम 2024: "कीटों की रक्षा करें, पक्षियों की रक्षा करें"
अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस	13 अक्टूबर	थीम 2024: सुरक्षित भविष्य के लिए बच्चों को शिक्षित करना।
विश्व खाद्य दिवस 2024	16 अक्टूबर	थीम 2024: "बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।"
विश्व आयोडीन अल्पता दिवस 2024	21 अक्टूबर	

Contd...

दिन	तारीख	विषय
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने वृद्धजनों के अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 31वां स्थापना दिवस मनाया	18 अक्टूबर	
संयुक्त राष्ट्र दिवस	24 अक्टूबर	

खेल

बीसीसीआई द्वारा बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया गया

चर्चा में क्यों ?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए बेंगलुरू के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू की हैं, जिन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कहा जाता है। इसे न्यू नेशनल क्रिकेट अकादमी के नाम से भी जाना जाता है।

- **बीसीसीआई के बारे में**
- **स्थापना:** दिसंबर 1928
- **मुख्यालय:** मुंबई
- **अध्यक्ष:** रोजर बिन्नी

बीसीसीआई का लोगो

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) में भारत का जलवा

चर्चा में क्यों ?

भारत का असाधारण प्रदर्शन, जहां देश ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व निशानेबाजी चैम्पियनशिप में 13 स्वर्ण पदकों के साथ समग्र पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया

आईएसएसएफ जूनियर विश्व शूटिंग चैम्पियनशिप के बारे में

- यह अंडर-21 आयु वर्ग की चैम्पियनशिप है।
- **श्रेणियाँ:** राइफल, पिस्तौल, और शॉटगन।
- **प्रारूप** : व्यक्तिगत और टीम
- **महत्व:** यह चैम्पियनशिप युवा निशानेबाजों के लिए अनुभव और प्रदर्शन प्राप्त करने का एक मंच प्रदान करती है, जो खेल में उनके विकास और भावी करियर के लिए महत्वपूर्ण है।

Medal standings

LAST UPDATE: 07 OCT 2024

					Total
1	IND	13	3	8	24
2	ITA	5	4	4	13
3	NOR	4	3	3	10
4	CHN	3	1		4
5	USA	2	4	4	10
6	CZE	2	1	2	5
7	GBR	1	2		3
7	ROU	1	2		3
		38	38	38	114

पदक तालिका 2024

आईएसएसएफ के बारे में

- **स्थापना:** आईएसएसएफ की स्थापना 1907 में हुई थी और यह अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेलों का नियामक निकाय है।
- **मुख्यालय:** म्यूनिख, जर्मनी
- **सचिवालय:** पेरिस, फ्रांस
- **परिषद:** 30 सदस्यीय परिषद
- **विषय-वस्तु:** इसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए राइफल, पिस्तौल और शॉटगन सहित विभिन्न शूटिंग विषय शामिल हैं।
- **ओलंपिक भागीदारी:** आईएसएसएफ ओलंपिक खेलों में निशानेबाजी स्पर्धाओं के लिए जिम्मेदार है और यह सुनिश्चित करता है कि ये प्रतियोगिताएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों।
- **सदस्यता:** महासंघ में 150 से अधिक राष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ शामिल हैं, जो विभिन्न देशों में निशानेबाजी खेलों को बढ़ावा देते हैं।
- **प्रमुख प्रतियोगिताएं:** आईएसएसएफ द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:
  - आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप
  - आईएसएसएफ विश्व कप सीरीज
  - आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप
  - युवा और जूनियर प्रतियोगिताओं के लिए आईएसएसएफ चैंपियनशिप
- **डोपिंग रोधी प्रयास:** संगठन सख्त डोपिंग रोधी नीतियों का पालन करता है, तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और एथलीट निष्ठा को बढ़ावा देता है।

समाचार में व्यक्तित्व

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
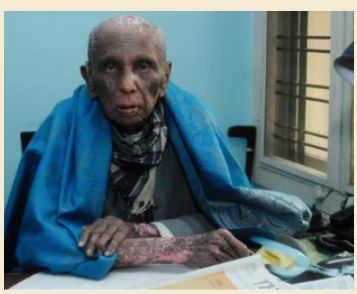 *न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी*	न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी का निधन	कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और भारत के ऐतिहासिक 'गोपनीयता के अधिकार मामले' में याचिकाकर्ता का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 1926 में बेंगलुरु के पास जन्मे, उन्होंने एक न्यायाधीश के रूप में कार्य किया, बाद में 2012 में आधार योजना को चुनौती दी।
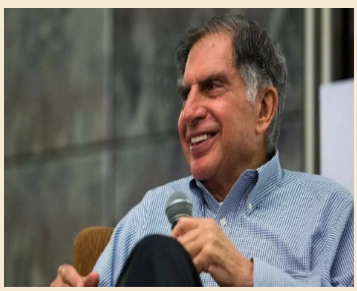 *रतन टाटा*	टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का निधन	वह एक प्रभावशाली भारतीय उद्योगपति और परोपकारी व्यक्ति थे। उन्होंने टाटा समूह और टाटा संस का नेतृत्व किया, अपने दूरदर्शी नेतृत्व और धर्मार्थ योगदान से भारत के सबसे बड़े समूहों में से एक को आकार दिया।

Contd...

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
वाइस एडमिरल आरती सरीन	सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम को सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (डीजीएएफएमएस) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।	सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन 01 अक्टूबर, 2024 को सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (DGAFMS) की महानिदेशक का पदभार संभालने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। DGAFMS सशस्त्र बलों से संबंधित समग्र चिकित्सा नीति मामलों के लिए सीधे रक्षा मंत्रालय के प्रति उत्तरदायी है।
श्रीमती विजया किशोर रहाटकर	राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त	श्रीमती विजया किशोर रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह एनसीडब्ल्यू की 9वीं अध्यक्ष होंगी।

सरकारी योजनाएँ

कैबिनेट ने पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृष्णोन्नति योजना को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के केंद्र प्रायोजित योजनाओं को दो प्रमुख योजनाओं में विभाजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है: प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्ति योजना (केवाई)।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई)

- **लॉन्च** : 2007
- यह कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न मौजूदा केन्द्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) को एक एकीकृत योजना के अंतर्गत एकीकृत करता है, ताकि सुसंगतता और दक्षता सुनिश्चित की जा सके।
- **उद्देश्य** : विभिन्न क्षेत्रों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना।
- **मुख्य परिवर्तन:** राज्य सरकारों को उनकी राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर एक घटक से दूसरे घटक में धनराशि पुन: आवंटित करने की लचीलापन दिया जाएगा।
- इसमें कैफेटेरिया दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसके तहत राज्यों को अपनी विशिष्ट कृषि आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न घटकों में से चयन करने की अनुमति दी गई है।

कृषोन्नति योजना (केवाई)

- इसे 2005 में पेश किया गया था।
- "बीज एवं रोपण सामग्री पर उप मिशन (एसएमएसपी)" योजना "हरित क्रांति - कृषोन्ति योजना" की छत्र योजना के अंतर्गत एक केन्द्र प्रायोजित योजना है।
- **उद्देश्य** : प्रमाणित/गुणवत्तापूर्ण बीज का उत्पादन बढ़ाना, एसआरआर में वृद्धि करना, कृषि-संरक्षित बीजों की गुणवत्ता को उन्नत करना, बीज गुणन श्रृंखला को मजबूत करना, बीज उत्पादन में नई प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को बढ़ावा देना।

- **ज़रूरी भाग**
  - बीज ग्राम कार्यक्रम
  - राष्ट्रीय बीज रिजर्व
  - पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए)
  - ग्रो आउट टेस्ट (जीओटी) सुविधाएं
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन
- केवाई के तहत एक घटक, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट (एमओवीसीडीएनईआर) को महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को लचीलापन प्रदान करने के लिए संशोधित किया जाएगा।

पीएम यशस्वी

चर्चा में क्यों ?

पीएम-यशस्वी योजना एक सरकारी पहल है जो वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सुर्खियों में रही है।

पीएम-यशस्वी के बारे में

- **लॉन्च:** 2021-22
- पीएम-यशस्वी का अर्थ है जीवंत भारत के लिए प्रधानमंत्री युवा उपलब्धि छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना।
- यह एक व्यापक कार्यक्रम है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और विमुक्त जनजातियों (डीएनटी) से संबंधित छात्रों को वित्तीय सहायता और शैक्षिक सहायता प्रदान करता है।

केंद्र ने पांच वर्षीय क्रूज़ भारत मिशन शुरू किया

चर्चा में क्यों ?

भारत ने पांच वर्षों में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्रूज भारत मिशन शुरू किया है, जिसका लक्ष्य 10 समुद्री क्रूज टर्मिनल, 100 नदी क्रूज टर्मिनल और पांच मरीना स्थापित करना है। इस मिशन का उद्देश्य क्रूज कॉल और यात्रियों की संख्या को दोगुना करना, क्षेत्रीय गठबंधनों को मजबूत करना और 2029 तक समुद्री और नदी क्रूज यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करना है, जिससे पूरे देश में पर्यटन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा।

क्रूज़ भारत मिशन

- **नोडल मंत्रालय** : बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय
- **लक्ष्यों को**
  - नदी क्रूज़ यात्रियों की संख्या 0.5 मिलियन से बढ़ाकर 1.5 मिलियन करना।
  - वर्ष 2029 तक 400,000 नौकरियाँ सृजित करना।
  - चरण 3 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनलों की संख्या 2 से बढ़ाकर 10 करना तथा नदी क्रूज टर्मिनलों की संख्या 50 से बढ़ाकर 100 करना।
- इसे तीन चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा; केंद्र का लक्ष्य तीसरे चरण तक समुद्री क्रूज कॉल को 125 से बढ़ाकर 500 करना है।
  - **चरण 1 (2024-2025)** : बाजार अनुसंधान करना, क्रूज गठबंधन स्थापित करना और मौजूदा टर्मिनलों का आधुनिकीकरण करना।
  - **चरण 2 (2025-2027):** नए क्रूज़ टर्मिनल विकसित करना और पर्यटन के लिए उच्च-संभावित क्षेत्रों को खोलना।
  - **चरण 3 (2027-2029):** पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में क्रूज़ सर्किट को जोड़ना।

प्रधानमंत्री वनबंधु कल्याण योजना

- **लॉन्च:** 28 अक्टूबर 2014
- इसे भारत में जनजातीय समुदायों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो देश की आबादी का लगभग 8.9% है।
- इसका उद्देश्य भारत में आदिवासी समुदायों की ऐतिहासिक उपेक्षा को मान्यता देते हुए उन्हें सशक्त बनाना है।
- 2021-22 से 2025-26 तक 26,135.46 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ, यह एकीकृत ग्राम विकास और शिक्षा और आजीविका में क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से आदिवासी समुदायों के समग्र विकास पर केंद्रित है।
- इसमें जनजातीय कल्याण के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित छह कदम शामिल हैं -
- **प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (PMAAGY)**
  - जनजातीय उप-योजना के लिए मौजूदा विशेष केंद्रीय सहायता का पुनर्गठन।
  - महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले 36,428 गांवों में एकीकृत ग्राम विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्ष्य किया गया: सड़क संपर्क, दूरसंचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता।
  - प्रति गांव 20.38 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं, 2025-26 तक कुल 7,276 करोड़ रुपये व्यय की योजना बनाई गई है।

- **विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का विकास**
  - इसका उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए हाशिए पर पड़े आदिवासी समुदायों का उत्थान करना है।
  - आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी पहलों के लिए राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
  - तीन वर्षों में ₹15,000 करोड़ के आवंटन के साथ प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन का शुभारंभ।
  - प्रत्येक वंचित पीवीटीजी परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए 100 जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।
- **जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता**
  - जनजातीय समुदायों से संबंधित अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण की सुविधा प्रदान करता है।
  - प्रस्तावों के आधार पर राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति**
  - कक्षा 9 और 10 के आदिवासी छात्रों को सहायता प्रदान करता है।
  - यह योजना उन परिवारों के लिए उपलब्ध है जिनकी पैतृक आय 2.50 लाख रुपये तक है।
  - **वित्तपोषण** : भारत सरकार (75%), राज्य सरकार (25%), पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए उच्च योगदान (90%)।
- **पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति**
  - प्री-मैट्रिक के समान, लेकिन कक्षा 10 से आगे की पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए।
  - इसका उद्देश्य वित्तीय बोझ को कम करना और निरंतर शैक्षणिक प्रगति को प्रोत्साहित करना है।
- **परियोजना प्रबंधन इकाइयों के लिए प्रशासनिक सहायता**
  - राज्य सरकारों में परियोजना प्रबंधन इकाइयां स्थापित करने के लिए धनराशि आवंटित की गई।
  - अनुसूचित जनजाति कल्याण से संबंधित योजनाओं की प्रभावी निगरानी और कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- **जनजातीय कल्याण के लिए अन्य पहल**
  - एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय
  - प्रधान मंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)
  - अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी)

पीएम-श्री योजना

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली सरकार ने शिक्षा मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके पीएम-श्री योजना को अपनाया। ₹27,360 करोड़ की इस योजना का लक्ष्य 14,500 से अधिक स्कूलों को उन्नत बनाना है, जिसमें 60% वित्त पोषण केंद्र से होगा। तमिलनाडु और केरल जल्द ही इसमें शामिल हो सकते हैं, जबकि पश्चिम बंगाल इस योजना के उपसर्ग का विरोध कर रहा है। दिल्ली को लंबित समग्र शिक्षा निधि में ₹330 करोड़ का इंतजार है।

पीएम-श्री (उभरते भारत के लिए प्रधानमंत्री विद्यालय) योजना

- **लॉन्च:** 2022
- **उद्देश्य:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना।
- **वित्तपोषण:** केन्द्र सरकार स्कूलों के उन्नयन के लिए 60% वित्तपोषण का योगदान करेगी, जबकि राज्य सरकारें शेष 40% का वहन करेंगी।
  - पूर्वोत्तर राज्यों में केन्द्र 90% धनराशि उपलब्ध कराएगा।
- इसका उद्देश्य पूरे भारत में 14,500 से अधिक स्कूलों को उन्नत बनाना है, तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं, संसाधन और शिक्षण मानक प्रदान करना है।
- यह समग्र शिक्षा योजना के तहत काम करता है, जो शिक्षकों के वेतन, वर्दी और पुस्तकों सहित सरकारी स्कूलों की विभिन्न वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करता है।
  - इस योजना का कुल परिव्यय पांच वर्षों में 27,360 करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना, 2024 छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई एक नई योजना है जिसका उद्देश्य तकनीकी पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को ऋण प्रदान करना है।

योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विशेषकर माओवाद प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को 1% की ब्याज दर पर 4 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराकर सहायता प्रदान करना।
- **लक्षित लाभार्थी:** छत्तीसगढ़ के 2 लाख से अधिक छात्र, विशेषकर वे जो वित्तीय अस्थिरता से प्रभावित हैं और नक्सल गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।
- **पात्रता मापदंड**
  - **निवास:** आवेदक छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी होना चाहिए।
  - **आय सीमा:** परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
  - **पाठ्यक्रम आवश्यकताएँ:** छात्रों को एआईसीटीई या यूजीसी

जैसे प्रासंगिक प्राधिकरणों द्वारा मान्यता प्राप्त तकनीकी क्षेत्रों में डिप्लोमा, स्नातक या स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकित होना चाहिए।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) एक सांविधिक निकाय है, और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन तकनीकी शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की परिषद है।
- इसकी स्थापना नवंबर 1945 में एक राष्ट्रीय स्तर की सर्वोच्च सलाहकार संस्था के रूप में की गई थी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)

- यह 28 दिसंबर 1953 को अस्तित्व में आया और विश्वविद्यालय शिक्षा में शिक्षण, परीक्षा और अनुसंधान के मानकों के समन्वय, निर्धारण और रखरखाव के लिए 1956 में संसद के एक अधिनियम द्वारा एक वैधानिक निकाय बन गया।
- यह फर्जी विश्वविद्यालयों, स्वायत्त कॉलेजों, समविश्वविद्यालयों और दूरस्थ शिक्षा संस्थानों की मान्यता को भी नियंत्रित करता है।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- अध्यक्ष: ममीडाला जगदेश कुमार

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना 2025 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी पात्रता प्रदान की गई है। सेवानिवृत्त लोगों के पास मान्यता के लिए अनुभव प्रस्तुत करने के लिए सेवानिवृत्ति के बाद तीन साल तक का समय है, जिसमें पाँच पुरस्कार और दस जूरी प्रमाणपत्र उपलब्ध हैं।

योजना के बारे में

- लॉन्च: 2015
- पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा लॉन्च किया गया
- यह पात्र कर्मचारियों को अपनी कहानियां प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है, तथा उत्कृष्ट योगदान देने वालों को पुरस्कार प्रदान करता है।
- अनुभव: यह एक ऑनलाइन मंच है जहां सेवानिवृत्त और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी अपने कार्य अनुभव सरकार के साथ साझा कर सकते हैं।
- उद्देश्य: मूल्यवान अनुभवों को एकत्रित करके कहानियों और सर्वोत्तम प्रथाओं का एक बड़ा संग्रह तैयार करना जो भविष्य के कर्मचारियों के लिए उपयोगी हो सके।
- स्थापना के बाद से अब तक 59 अनुभव पुरस्कार और 19 जूरी प्रमाणपत्र प्रदान किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)

चर्चा में क्यों ?

छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत ऋण सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है।

मुख्य परिवर्तन

- **तरुण प्लस:** 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये तक के ऋण के लिए एक नई श्रेणी, 'तरुण प्लस' शुरू की गई है।
  - **पात्रता:** जिन उद्यमियों ने ' तरुण' श्रेणी के अंतर्गत पिछले ऋणों का सफलतापूर्वक भुगतान कर दिया है, वे ' तरुण प्लस' ऋण के लिए पात्र हैं।
  - **गारंटी कवरेज:** 20 लाख रुपये तक के ऋण को माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफएमयू) के अंतर्गत कवर किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के बारे में

- **लॉन्च:** 2015
- **उद्देश्य:** गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु व्यवसायों को 10 लाख रुपये तक का आसान, संपार्श्विक-मुक्त सूक्ष्म ऋण ऋण उपलब्ध कराना।
- मुद्रा एक सरकारी संस्था है जो बैंकों, एनबीएफसी और एमएफआई जैसी वित्तीय संस्थाओं को वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करती है।

ई-श्रम वन-स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल लॉन्च किया गया

चर्चा में क्यों ?

श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने "ईश्रम – वन स्टॉप सॉल्यूशन" पोर्टल या ईश्रम 2.0 लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करने के लिए अपने प्लेटफॉर्म पर अधिक केंद्रीय योजनाओं को एकीकृत करना है। इस वन-स्टॉप समाधान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ मिले और सरकारी योजनाओं तक उनकी आसान पहुँच हो, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिले और अनौपचारिक कार्यबल को सहायता मिले।

ईश्रम के बारे में - वन स्टॉप सॉल्यूशन

- **लॉन्च किया गया:** श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा
- यह असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस है।
- पोर्टल पर पंजीकरण पूर्णत: आधार सत्यापित एवं आधार से जुड़ा हुआ है।
- कोई भी असंगठित श्रमिक स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकता है।
- यह असंगठित कामगार को स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर पंजीकरण करने में सक्षम बनाता है, जिसमें 30 प्रमुख क्षेत्रों के 400 व्यवसाय शामिल हैं।
- यह ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगा।
- **उद्देश्य:** असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाना।

पीएम गति शक्ति: भारत के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में बदलाव

चर्चा में क्यों ?

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान, जिसे 13 अक्टूबर 2021 को लॉन्च किया गया था, 13 अक्टूबर 2024 को अपनी तीसरी वर्षगांठ मनाएगा। इस पहल की घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने संबोधन के दौरान की थी।

पीएम गति शक्ति के बारे में

- **लॉन्च:** विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 2021 में पेश किया गया।
- **व्यापक डाटाबेस** : यह केन्द्र और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर विभिन्न अवसंरचना और आर्थिक मंत्रालयों/विभागों की चल रही और आगामी परियोजनाओं के साथ-साथ ट्रंक और उपयोगिता अवसंरचना का विस्तृत डाटाबेस प्रदान करता है।
- **जीआईएस एकीकरण:** यह जानकारी जीआईएस-सक्षम पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म में एकीकृत की गई है, जिससे एक ही पोर्टल पर अगली पीढ़ी की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सुव्यवस्थित निगरानी संभव हो सकी है।
- **आर्थिक लक्ष्य:** 2025 तक आत्मनिर्भरता और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य।

पुरस्कार और सम्मान

पुरस्कार/सम्मान	विजेताओं	विवरण
फिजी का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार	*श्री श्री रविशंकर*	**फिजी** ● **स्थान** : यह दक्षिण प्रशांत महासागर में, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व और न्यूजीलैंड के उत्तर में स्थित एक द्वीप राष्ट्र है। ● इसमें 330 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जिनमें से लगभग 110 पर लोग रहते हैं। ◆ दो मुख्य द्वीप विटी लेवु और वनुआ लेवु हैं। ● **स्वतंत्रता** : अक्टूबर 1970 में ब्रिटिश शासन से ● **राजधानी** : सुवा ● **आधिकारिक भाषाएँ:** अंग्रेजी, फिजी और हिंदी ● **मुद्रा** : फ़िजी डॉलर (FJD)

Contd...

पुरस्कार/सम्मान	विजेताओं	विवरण
मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का ताज पहनाया गया	राचेल गुप्ता	जालंधर, भारत की 20 वर्षीय रेचल गुप्ता ने मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने ग्रैंड पेजेंट्स चॉइस अवार्ड 2024 भी जीता।
ईरानी कप खिताब	मुंबई	ईरानी कप का खिताब 27 साल के अंतराल के बाद मुंबई के पास लौटा है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में मौजूदा रणजी चैंपियन ने शेष भारत के खिलाफ मैच ड्रा किया, पांच दिवसीय मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत हासिल की।
सोंगहे सिंगापुर ओपन खिताब	पंकज आडवाणी	सिंगापुर ओपन के बारे में • यह सिंगापुर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला एक प्रमुख बिलियर्ड्स और स्नूकर टूर्नामेंट है। • इस आयोजन में विश्व भर के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेते हैं, जो बिलियर्ड्स और स्नूकर सहित खेल के विभिन्न प्रारूपों में अपना कौशल प्रदर्शित करते हैं। नोट: क्यूइस्ट का अर्थ है वह व्यक्ति जो स्नूकर, पूल या बिलियर्ड्स खेलता है।
2024 फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार	विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन	2024 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार स्वीडन के स्टॉकहोम में कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट में नोबेल असेंबली द्वारा विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को दिया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार माइक्रोआरएनए की खोज और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल जीन विनियमन में इसके महत्व के लिए दिया गया। एम्ब्रोस और रुवकुन दोनों ही संयुक्त राज्य अमेरिका के जीवविज्ञानी हैं।

Contd...

पुरस्कार/सम्मान	विजेताओं	विवरण
आर्थिक विज्ञान में स्वीडन रिक्सबैंक पुरस्कार	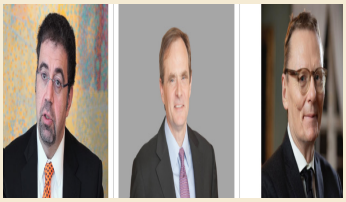 डेरॉन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन, और जेम्स ए. रॉबिन्सन	अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में 2024 का स्वीडिश रिक्सबैंक पुरस्कार डैरन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को संयुक्त रूप से दिया गया है। यह पुरस्कार संस्थाओं के निर्माण और आर्थिक समृद्धि पर उनके प्रभाव पर उनके प्रभावशाली शोध के लिए दिया गया है। उनका काम इस बात की पड़ताल करता है कि कैसे राजनीतिक और आर्थिक संस्थाएँ प्रोत्साहनों को आकार देती हैं, आर्थिक परिणामों को प्रभावित करती हैं और अंतत: समाजों में समृद्धि को बढ़ावा देती हैं।
भौतिकी में नोबल पुरस्कार	जॉन जे. हॉपफील्ड (बाएं) और जेफ्री ई. हिंटन (दाएं)	मूलभूत खोजों और आविष्कारों के लिए जो कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम बनाते हैं।
रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार	डेविड बेकर (बाएं), डेमिस हसाबिस (मध्य) और जॉन एम. जम्पर (दाएं)	डेविड बेकर - कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए। डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर - प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी के लिए।
फिजियोलॉजी में नोबल पुरस्कार	विक्टर एम्ब्रोस (बाएं) और गैरी रुवकुन (दाएं)	माइक्रोआरएनए की खोज और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल जीन विनियमन में इसकी भूमिका के लिए।

Contd...

पुरस्कार/सम्मान	विजेताओं	विवरण
साहित्य में नोबल पुरस्कार	*हान कांग*	उनकी गहन काव्यात्मक गद्य के लिए जो ऐतिहासिक आघातों का सामना करती है और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करती है।
शांति के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार	*निहोन हिडानक्यो*	परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व बनाने के प्रयासों के लिए तथा गवाहों के बयान के माध्यम से यह प्रदर्शित करने के लिए कि परमाणु हथियारों का प्रयोग कभी नहीं किया जाना चाहिए।
अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार	*डेरॉन ऐसमोग्लू (बाएं), साइमन जॉनसन (मध्य) और जेम्स ए. रॉबिन्सन (दाएं)*	इस विषय पर अध्ययन कि संस्थाएं किस प्रकार बनती हैं और समृद्धि को कैसे प्रभावित करती हैं।

पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तकें	लेखक
गवाह 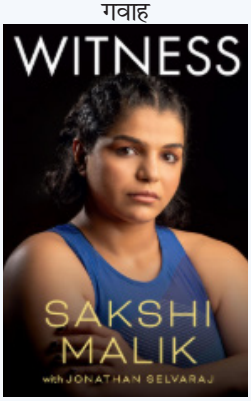	साक्षी मलिक और सह-लेखक जोनाथन सेल्वराज

Contd...

पुस्तकें	लेखक
भारत-अफ्रीका संबंध: बदलते क्षितिज 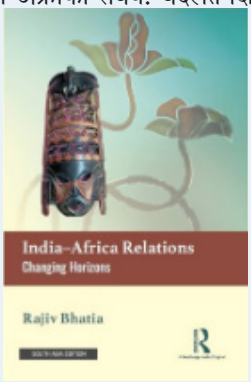	राजीव भाटिया
पुरानी परंपराओं से हटकर; भारत का विकसित होता रणनीतिक दृष्टिकोण 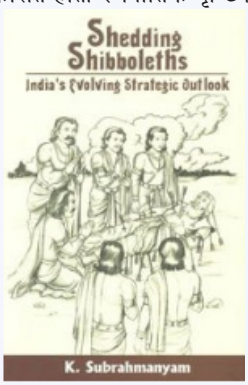	के. सुब्रह्मण्यम
हिंद महासागर में महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता: भारतीय और अमेरिकी दृष्टिकोण 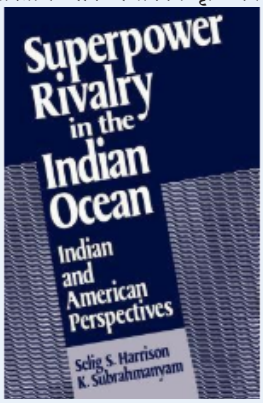	के. सुब्रह्मण्यम

Contd...

पुस्तकें	लेखक
गीता दर्शनम् 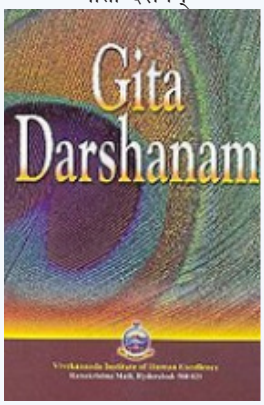	के. सुब्रह्मण्यम
विश्व के पर्वतीय स्तनधारी 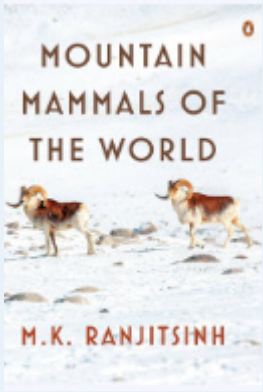	एमके रंजीतसिंह
उन्नीस सौ चौरासी 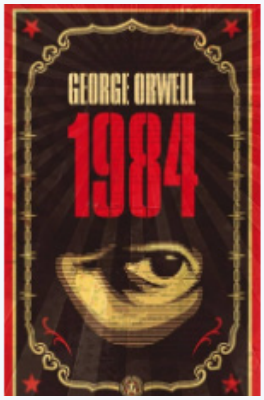	जॉर्ज ऑरवेल

Contd...

पुस्तकें	लेखक
इक्कीसवीं सदी के लिए ज्ञान और चेतावनियाँ 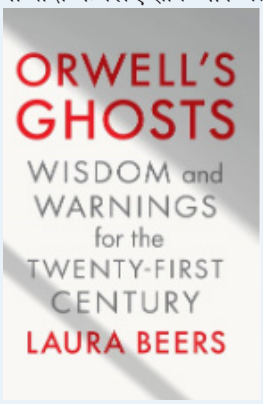	जॉर्ज ऑरवेल
पशु फार्म 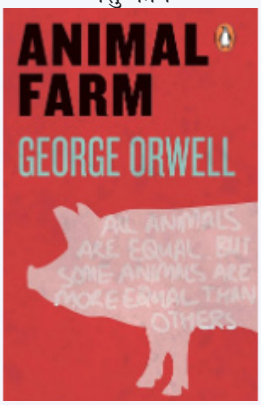	जॉर्ज ऑरवेल